मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 3 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 5 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 320 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ प्रेमचंद साहित्य के साथ कितना न्याय कर पाया हिंदी सिनेमा?

'बंटवारा 1947' के प्रमोशन की बिहार से शुरूआत...' बेटे करण देओल संग पटना पहुंचे सनी देओल ◂◂ 6

सहरसा में पैसेंजर ट्रेन में लगी भीषण आग, पूरी तरह जलकर खाक हुआ कोच, यात्रियों में हड़कंप

सहरसा : बिहार के सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पर समस्तीपुर-सहरसा पैसेंजर ट्रेन (संख्या 63344) के इंजन से जुड़े एक कोच में सोमवार तड़के भीषण आग लग गई। घटना के समय ट्रेन में यात्री सवार थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3 बजे हुई। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, जिस कोच में आग लगी थी, वह पूरी तरह जलकर खाक हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

असिस्टेंट फायर ऑफिसर निरंजन कुमार ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि रेलवे इंजन में आग लगी है। सूचना मिलते ही सहरसा फायर स्टेशन से एक फोम टेंडर और एक वॉटर टेंडर मौके पर भेजा गया। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

वहीं, ट्रेन में सवार एक यात्री ने बताया कि सुबह करीब 3:40 बजे सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन पर ट्रेन में आग लग गई। घटना के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्हें सहरसा जाना था, लेकिन आग लगने के बाद सभी यात्री करीब दो घंटे तक स्टेशन पर फंसे रहे, जिससे उन्हें भारी असुविधा हुई।

अमृतसर बॉर्डर पर 10 किलो हेरोइन बरामद ड्रोन के जरिए गिराई गई थी खेप, तस्कर फरार

अमृतसर: अमृतसर देहात पुलिस ने सीमा पार से ड्रोन के जरिए हो रही नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांव सूफियां के खेतों से करीब 10 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की है। मौके से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है, जबकि तस्कर फरार हो गए।

प्राथमिक जांच के अनुसार, यह खेप पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से भारतीय सीमा में गिराई गई थी। तस्कर खेतों से इसे उठाने पहुंचे थे, लेकिन पुलिस की सक्रियता के चलते वे मौके से भाग निकले। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने खेतों से 10 सीलबंद पैकेट बरामद किए, जिनमें करीब 10 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन होने की आशंका है।

पुलिस ने मौके से बरामद मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का मानना है कि वाहन के पंजीकरण और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर फरार तस्करों तक पहुंचने में अहम सुराग मिल सकते हैं। फिलहाल मोटरसाइकिल के मालिक और उससे जुड़े लोगों की पहचान की जा रही है।

इस संबंध में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों की गहन जांच कर रही है, ताकि फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी की लगातार कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां और पंजाब पुलिस ऐसी साजिशों को लगातार नाकाम कर रही हैं। मामले की हर पहलू से जांच जारी है।

जेपीएससी परीक्षा गड़बड़ी मामला

पूर्व चेयरमैन एल खियांग्ते से सीआईडी की पूछताछ कई आरोपियों को फिर रिमांड पर लेने की तैयारी

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में कथित गड़बड़ी और ओएमआर शीट में हेरफेर के मामले की जांच अब और तेज हो गई है। मामले की जांच कर रही आपराधिक अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने सोमवार को आयोग के पूर्व चेयरमैन एल खियांग्ते को पूछताछ के लिए मुख्यालय तलब किया। नोटिस के बाद वह सीआईडी मुख्यालय पहुंचे, जहां अधिकारियों ने उनसे परीक्षा प्रक्रिया, ओएमआर शीट में कथित हेरफेर और अन्य अनियमितताओं को लेकर विस्तृत पूछताछ की।

कई आरोपियों को दोबारा रिमांड पर लेने की तैयारीः जांच को आगे बढ़ाने के लिए सीआईडी सोमवार को अदालत में आवेदन देकर कई मुख्य आरोपियों को दोबारा रिमांड पर लेने की मांग करेगी। इनमें जेपीएससी की परीक्षा उपनियंत्रक श्वेता गुप्ता, टीडीपीएल के निदेशक रामबीर सिंह और गिरफ्तार डीएसओ मनोज तिवारी उर्फ अभय तिवारी शामिल हैं। जांच एजेंसी का मानना है कि आमने-सामने पूछताछ से पूरे मामले के कई नए पहलुओं का खुलासा हो सकता है।

अभ्यर्थी सुमन सौरभ से पूछताछ में सामने आया अंतरराज्यीय रैकेट : सीआईडी

की जांच में झारखंड सिविल सेवा परीक्षा में सेटिंग के जरिए अभ्यर्थियों को सफलता दिलाने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार अभ्यर्थी सुमन सौरभ से पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, उसके पास से ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी भी बरामद नहीं हुई, जिससे धांधली की आशंका और गहरा गई है। सीआईडी अब सुमन सौरभ द्वारा दी गई सूचनाओं का सत्यापन कर गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

रेंजर परीक्षा भी जांच के दायरे मेंः जेपीएससी द्वारा आयोजित फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर (रेंजर) परीक्षा भी अब सीआईडी की जांच के दायरे में आ गई है। इस परीक्षा में बड़े पैमाने पर ओएमआर शीट में हेरफेर के आरोप सामने आए हैं। जांच में यह भी पता चला है कि 170 पदों वाली इस परीक्षा में 17 अभ्यर्थियों की सेटिंग कराने में आईआरबी के एक जवान की कथित भूमिका रही है। बताया जा रहा है कि चयनित अभ्यर्थियों में वन विभाग में कार्यरत कई वनरक्षी भी शामिल हैं, जिनके संपर्क उक्त आईआरबी जवान से जुड़े होने की बात सामने आई है।

लखनऊ का आरोपी सत्यपाल सिंह फरारः परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी टीडीपीएल के एक अन्य निदेशक सत्यपाल सिंह की भूमिका भी जांच के घेरे में है। सीआईडी की टीम जब उसे गिरफ्तार करने लखनऊ स्थित उसके ठिकाने पर पहुंची, तब तक वह फरार हो चुका था। उसकी गिरफ्तारी के लिए सीआईडी सोमवार को रांची की अदालत में गैर-जमानती वारंट जारी करने का आवेदन देगी। उल्लेखनीय है कि टीडीपीएल के दूसरे निदेशक रामबीर सिंह को सीआईडी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सीआईडी की अब तक की जांच से संकेत मिल रहे हैं कि जेपीएससी की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का दायरा काफी व्यापक हो सकता है। जांच एजेंसी का मानना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में कई और महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

बिहार की राजनीति में पीके की एंट्री, शुरूआती गणना में बढ़त , बीजेपी और राजद की रणनीति पर सवाल

पटनाः बांकीपुर विधानसभा सीट पिछले करीब 30 वर्षों से भाजपा का गढ़ रही है। इस सीट पर सवर्ण मतदाताओं का बड़ा प्रभाव माना जाता है और भाजपा को हमेशा इसका फायदा मिलता रहा है। लेकिन इस बार जन सुराज के प्रशांत किशोर ने सवर्ण बहुल इलाकों में भी अच्छी बढ़त बनाकर मुकाबले को लगभग एकतरफा कर दिया है। इससे पता चलता है कि भाजपा के परंपरागत वोटों का एक बड़ा हिस्सा जन सुराज की ओर गया है।

मुस्लिम-यादव वोटों में भी मिली बढ़तः राजद का सबसे मजबूत आधार मुस्लिम-यादव यानी एमवाई वोट बैंक माना जाता है। इस उपचुनाव में राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता शुरूआती राउंड से ही पीछे रहीं। कई इलाकों में प्रशांत किशोर को ऐसे बूथों पर भी अच्छी बढ़त मिली, जहां पहले राजद का प्रभाव माना जाता था। इससे कहा जा सकता है कि जन सुराज ने मुस्लिम और यादव वोटरों के बीच भी अपनी पकड़ बनाई।

जाति से आगे बढ़ने की कोशिशः प्रशांत किशोर ने पूरे चुनाव प्रचार के दौरान खुद को

किसी एक जाति या वर्ग तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार और बेहतर शासन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। यही वजह रही कि उन्हें अलग-अलग समाज के लोगों का समर्थन मिलता दिखाई दिया।

भाजपा और राजद दोनों के लिए बड़ा संदेशः बांकीपुर का चुनाव सिर्फ एक सीट का मुकाबला नहीं माना जा रहा था। भाजपा के लिए यह अपना गढ़ बचाने की चुनौती थी, जबकि राजद अपनी मौजूदगी मजबूत करना चाहती थी। जन सुराज के प्रदर्शन ने दोनों दलों को यह संकेत दिया है कि बिहार की राजनीति में अब नया विकल्प भी तेजी से जगह बना रहा है।

भविष्य की राजनीति पर पड़ेगा असरः अगर अंतिम नतीजों में भी यही तस्वीर बनी रहती है, तो इसका असर आने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर पड़ सकता है। भाजपा को अपने पारंपरिक वोट बैंक को और मजबूत करना होगा, जबकि राजद को अपने आधार वोटरों को फिर से एकजुट रखने की चुनौती होगी। दूसरी ओर जन सुराज इस प्रदर्शन के दम पर खुद को बिहार की बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में पेश करने की कोशिश करेगी।

पहली सोमवारी पर दो लाख से ज्यादा शिवभक्तों के पहुंचने का अनुमान

देवघरः सावन की पहली सोमवारी के अवसर पर बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ उमड़ी है। जिला प्रशासन के अनुसार सोमवार की शाम तक दो लाख से अधिक शिवभक्तों के देवघर पहुंचने का अनुमान है।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और सुगम जलार्पण के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था लागू की है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कराया जा सके।

हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा देवघर गूंज रहा है। पहली सोमवारी को देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में कांवरियों और श्रद्धालुओं के पहुंचे। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, श्रद्धालुओं की संख्या में और इजाफा होने की संभावना है। प्रशासन का अनुमान है कि दोपहर तक श्रद्धालुओं की संख्या दो लाख के आंकड़े को पार कर सकती है।

महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण शरण सिंह बरी

मेट्रो रेज

नई दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद एवं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामले में बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई पूरी करने के बाद सबूतों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया। कोर्ट ने इस मामले में सह-आरोपी एवं पूर्व डब्ल्यूएफआई अधिकारी विनोद तोमर को भी आरोपों से मुक्त कर दिया।

राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने फैसला सुनाते हुए कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध नहीं हो सके, इसलिए दोनों आरोपियों को बरी किया जाता है।

छह महिला पहलवानों ने लगाए थे आरोपः यह मामला वर्ष

2023 में उस समय राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया था, जब छह महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। आरोपों के बाद देशभर में विरोध-प्रदर्शन हुए और कई प्रमुख पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था। इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक हलकों में भी तीखी बहस देखने को मिली थी।

राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने फैसला सुनाते हुए कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध नहीं हो सके, इसलिए दोनों आरोपियों को बरी किया जाता है।

पुलिस ने दर्ज की थी एफआईआरः महिला पहलवानों की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद 15 जून 2023 को पुलिस ने अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। बृजभूषण शरण सिंह 20 जुलाई 2023 से नियमित जमानत पर बाहर थे।

इन धाराओं में लगे थे आरोपः चार्जशीट में बृजभूषण शरण सिंह पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की लज्जा भंग करने का प्रयास), 354ए (यौन उत्पीड़न), 354डी(पीछा करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप लगाए गए थे।

2024 में तय हुए थे आरोप : 10 मई 2024 को ट्रायल कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय किए थे। उस समय अदालत ने कहा था कि रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य प्रथम दृष्टया आईपीसी की धारा 354 और 354अ के तहत आरोप तय करने के लिए पर्याप्त हैं। हालांकि, मुकदमे की सुनवाई और गवाहों के बयान के बाद अदालत ने अंतिम निर्णय में दोनों आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया।

जेपीएससी गड़बड़ी मामला

बोकारो, पलामू और रांची के कई ठिकानों पर एक साथ सीआईडी रेड, कई अहम दस्तावेज जब्त

मेट्रो रेज

रांचीः 14वीं जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही सीआईडी ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने एक साथ रांची, धनबाद, बोकारो, देवघर, गोड्डा, रामगढ़ समेत 10 से अधिक अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। जांच टीम ने पलामू में संतोष कुमार सिंह और रविशंकर कुमार के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी।

?संतोष सिंह के दो ठिकानों पर दबिशः सीआईडी और पुलिस की टीम ने संतोष कुमार सिंह के मेदिनीनगर स्थित बीएन कॉलेज हामिदगंज मोहल्ले के आवास और उनके पैतृक गांव नौडीहा बाजार स्थित घर पर एक साथ छापेमारी की। घंटों चली सघन तलाशी के दौरान टीम ने कई संदेहास्पद दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए हैं।

बारहलोटा में भी चला तलाशी अभियानः इसी कार्रवाई की कड़ी में संयुक्त टीम ने मेदिनीनगर के बारहलोटा स्थित रविशंकर कुमार के घर पर भी छापेमारी की। कार्रवाई के बाद से पूरे इलाके और संबंधित महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस जब्त किए गए दस्तावेजों और उपकरणों की जांच में जुटी है।

न्यूज IN ब्रीफ

चेहल्लुम पर अवकाश घोषित करने की मांग

रांची : मस्जिद जाफरिया, रांची के इमाम व खतीब मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने झारखंड सरकार से चेहल्लुम के अवसर पर सरकारी अवकाश घोषित करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि चेहल्लुम हजरत इमाम हुसैन (अस) और करबला के शहीदों की याद में मनाया जाने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर है। इस दिन बड़ी संख्या में अकीदतमंद मजलिसों, जुलूसों और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं।

मौलाना रिजवी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में चेहल्लुम के अवसर पर अवकाश घोषित किया जाता है, किंतु इस वर्ष अभी तक झारखंड सरकार की ओर से अवकाश संबंधी कोई घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने राज्य सरकार एवं संबंधित विभाग से शीघ्र इस संबंध में निर्णय लेते हुए चेहल्लुम के अवसर पर सरकारी अवकाश घोषित करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि समय रहते अवकाश की घोषणा होने से प्रदेश के शिया समुदाय सहित सभी अकीदतमंद श्रद्धालुओं को अपने धार्मिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में सुविधा होगी तथा वे पूरी श्रद्धा और शांति के साथ चेहल्लुम के कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे।

आद्रा मंडल में ब्लॉक, एक सप्ताह तक कई ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

बोकारो: दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में ट्रैक, ओएचई तथा सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन प्रणाली के कार्य के लिए तीन से नौ अगस्त तक एक सप्ताह का रोलिंग ब्लॉक लिया जायेगा। इस दौरान कई मेमू और एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। 68046/68045 आसनसोल-आद्रा-आसनसोल मेमू ट्रेन 03, 04, 06, 07 व 09 अगस्त, 68090/68089 आद्रा-मिदनापुर-आद्रा मेमू 07 व 09 अगस्त, 68077/68078 आद्रा-भागा-आद्रा मेमू 07 व 09 अगस्त, 63594/63593 आसनसोल-पुरुलिया-आसनसोल मेमू 03 व 06 अगस्त, 68056 टाटानगर-आसनसोल मेमू 05, 07, 08 व 09 अगस्त तथा 68023/68024 झाड़ग्राम-पुरुलिया-झाड़ग्राम मेमू 04, 06 व 07 अगस्त को रद्द रहेगी।

63594/63593 आसनसोल-पुरुलिया मेमू ट्रेन 05 व 08 अगस्त को सिर्फ आद्रा तक चलेगी। 18116/18115 चक्रधरपुर-गोमो-चक्रधरपुर मेमू 04, 07 व 09 अगस्त को महुदा तक ही चलेगी। 68055/68056 आसनसोल-टाटानगर मेमू 04 अगस्त को आद्रा तक, 06 अगस्त को पुरुलिया तक तथा 05, 07, 08 व 09 अगस्त को आद्रा तक ही चलेगी। 68060 आसनसोल-बाराभूम मेमू 05, 07, 08 एवं 09 अगस्त को आद्रा से ही खुलेगी। 18035/18036 खड़गपुर-हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस 05 व 08 अगस्त को आद्रा तक ही चलेगी। 18035 खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस 03, 06 एवं 07 अगस्त को खड़गपुर से 60 मिनट, 18036 हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस 04 अगस्त को हटिया से 60 मिनट तथा 18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस 06, 07 एवं 09 अगस्त को टाटानगर से 90 मिनट विलंब से खुलेगी।

चोरो का आतंक

मुरी: शाम ढलते ही जैसे अंधेरा शुरू होता है चोर मानसिकता वाले लोगों के पंख निकल आते हैं। ऐसे लोग सन्नाटा वाला या सुनसान जगह बैठने के लिए ढूढते है। वही से बैठ कर रेकी करते हैं, इसमें मुहल्ले की महिलाएं भी होती हैं। जिस पर संदेह किया जा सकता है। नाली के उपर अगर कल्भट बना है तो ये लोग इसे बैठने का सबसे अच्छा जगह मानते हैं। लोगों को लगता है कि यही का आदमी है कहां जाएगा। और ये लोग घंटो यहां पर बैठे रहते हैं। फिर अगर लाइन चला गया तो मौका पाकर घरों में घुसने का प्रयास करते हैं। ऐसा रिटायर्डमेंट कॉलोनी में अक्सर होता है। चोरों ने खिड़की से तार या डंडा के माध्यम से चोरी का प्रयास किया है। जब घर के लोग देख लेते हैं झट से दीवार फांद कर भाग जाते हैं। पहचान भी नहीं हो पाती है।

चौबे स्टेशन के पास ट्रैक पर अचानक आ धमके 29 हाथी,2 घंटे तक धीमी रही ट्रेन की रफ्तार

हजारीबाग : जिले के चलकुशा प्रखंड में रविवार सुबह उस समय रेल प्रशासन की चिंता बढ़ गई। जब 29 हाथियों का झुंड अचानक चौबे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के पास पहुंचा गया। करीब दो घंटे तक हाथियों की मौजूदगी के कारण इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही सतर्कता के साथ कराई गई और कई ट्रेनों की रफ्तार धीमी करनी पड़ी। धीमी कर दी गई सभी ट्रेनों की रफ्तारः जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब छह बजे 29 हाथियों का झुंड चौबे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के आसपास आ धमका। हाथियों के ट्रैक के समीप होने की सूचना मिलते ही रेलवे प्रबंधन तुरंत अलर्ट हो गया। एहतियातन इस मार्ग से गुजरने वाली सभी ट्रेनों की गति धीमा कर दी गई। 2 घंटे तक ट्रैक के आसपास मौजूद रहे हाथीः एक एक्सप्रेस ट्रेन और पांच-छह मालगाड़ियों को बेहद धीमी गति से ट्रैक पार कराया गया, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सकें। हाथियों का झुंड करीब दो घंटे तक रेलवे ट्रैक के आसपास ही मौजूद रहा। बाद में वन विभाग और संबंधित अधिकारियों के प्रयास से हाथियों को ट्रैक से दूर हटाया गया। इसके बाद रेल परिचालन सामान्य हो सका।

बीएयू में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के स्नातकोत्तर एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा प्रभारी एवं बीएयू के स्नातकोत्तर संकाय के डीन डॉ रमेश कुमार ने बताया कि परीक्षा ओएमआर शीट पर हुई जिसका परिणाम 15 दिनों में घोषित कर दिये जाने की संभावना है। बीएयू में कृषि संकाय, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन संकाय तथा वानिकी संकाय के विभिन्न विभागों के मास्टर डिग्री और पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए यह प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गयी थी। कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में चलनेवाले एमटेक पाठ्यक्रम तथा कृषि व्यवसाय प्रबंधन केन्द्र में संचालित होनेवाले एमबीए (एग्री बिजनेस) में एडमिशन के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए।

अलकडीहा बूढ़ा बाबा धाम में उमड़ा शिवभक्तों का जनसैलाब

हर-हर महादेव के नारों से गूंजा जयघोष

संवाददाता

धनबाद : सावन मास की पहली सोमवारी पर ऐतिहासिक अलकडीहा बूढ़ा बाबा धाम में आस्था का अनुपम नजारा देखने को मिला। तड़के सुबह से ही हजारों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचने लगे। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर हो उठा।

श्रद्धालुओं ने लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार करते हुए बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, शांति तथा विश्व कल्याण की कामना की। करीब 200 वर्ष पुराने इस प्राचीन शिवधाम में भक्तों ने शिवलिंग पर जल, दूध, दही, घी, शहद, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

मान्यता है कि अलकडीहा बूढ़ा बाबा धाम में सच्चे मन से मांगी गई हर मन्नत भगवान भोलेनाथ अवश्य पूरी करते हैं।यही आस्था हर सावन में दूर-दराज से हजारों श्रद्धालुओं को इस पावन धाम तक खींच लाती है।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर कमेटी ने सुरक्षा, कतार प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण के विशेष इंतजाम किए।सावन की पहली सोमवारी के अवसर पर संध्या में बाबा भोलेनाथ का हजारों कमल के फूलों से भव्य और अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा।

इसके बाद विशेष महाआरती का आयोजन होगा तथा श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने कहा कि अलकडीहा बूढ़ा बाबा धाम केवल एक मंदिर नहीं बल्कि उनकी अटूट आस्था और विश्वास का केंद्र है। उनका मानना है कि यहां श्रद्धा और भक्ति के साथ जलाभिषेक करने वाले भक्तों की हर मनोकामना भगवान भोलेनाथ अवश्य पूरी करते हैं।

विवाहिता का कथित अपहरण, पति ने भुरकुंडा ओपी में दर्ज कराई प्राथमिकी

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के कांके प्रखंड अंतर्गत होचर गांव से एक विवाहिता के कथित अपहरण का मामला सामने आया है। इस संबंध में रामगढ़ जिले के भुरकुंडा ओपी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले को लेकर दोनों जिलों में चर्चा का माहौल है और स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है।

भुरकुंडा थाना क्षेत्र के हुरूमगढ़ा, जवाहरनगर निवासी उपेंद्र लाल ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि उनकी शादी अप्रैल 2026 में रांची जिले के कांके थाना क्षेत्र स्थित होचर गांव निवासी तन्नु कुमारी के साथ हुई थी।

जानकारी के अनुसार, 28 जुलाई 2026 को दोपहर लगभग 1 से 2 बजे के बीच होचर गांव निवासी कैफ अंसारी कथित रूप से एक सफेद रंग की स्पीड वाहन से उनके घर पहुंचा और उनकी पत्नी तन्नु कुमारी को शादी करने की नीयत से अपने साथ लेकर चला गया। पति का आरोप है कि इसके बाद से उनकी पत्नी का कोई पता नहीं चल पाया है।

पीड़ित ने बताया कि उन्होंने अपने परिजनों के साथ काफी खोजबीन की, लेकिन पत्नी का कोई सुराग नहीं मिला। आवेदन में आरोपी और विवाहिता के मोबाइल नंबर भी पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने पुलिस से पत्नी की बरामदगी और आरोपी के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

सोमवार सुबह पीड़ित परिवार ने इस मामले की जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता विवेक प्रताप सिंह को दी। सिंह ने मामले को गंभीर बताते हुए स्थानीय प्रशासन, रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग रेंज के डीआईजी सहित अन्य वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना देकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

परीक्षार्थियों का सफर होगा आसान रांची से चलेगी स्पेशल ट्रेन

संवाददाता

रांची : रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की आगामी परीक्षाओं में शामिल होने वाले झारखंड समेत आस-पास के राज्यों के अभ्यर्थियों और रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। परीक्षाओं के दौरान होने वाली संभावित भारी भीड़ और आतवागमन की समस्या को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे ने रांची और बिहार के सबौर (भागलपुर) के बीच परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। झारखंड से बिहार (विशेषकर अंग क्षेत्र और भागलपुर/जमालपुर रूट) जाने वाले परीक्षार्थियों को इस स्पेशल ट्रेन से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और उनका सफर सुगम हो सकेगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल 15-15 फेरे लगाएगी।

ट्रेन के समय का पूरा टाइम-टेबल ट्रेन संख्या- 08601 रांची-सबौर परीक्षा स्पेशल ट्रेन रांची स्टेशन से शाम 7:00 बजे रवाना होगी। ये ट्रेन अगले दिन सुबह 8:00 बजे सबौर स्टेशन पहुंचेगी। ये 3, 4, 5, 6, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 17, 18, 19, 20 और 21 अगस्त संचालित होंगी। वहीं, ट्रेन संख्या 08602 सबौर-रांची परीक्षा स्पेशल ट्रेन से सबौर स्टेशन से सुबह 9:50 बजे रवाना होगी। ये उसी दिन रात 10:45 बजे रांची पहुंचेगी। इसका संचालन 4, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 18, 19, 20, 21 और 22 अगस्त होगा।

मुख्य स्टेशनों पर ठहराव और कोच व्यवस्थाः यह परीक्षा स्पेशल ट्रेन पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आने वाले प्रमुख स्टेशनों- भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर और अभयपुर में दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास (जीएस) और स्लीपर क्लास (एसएल) की सुविधा रहेगी, जिससे परीक्षार्थियों को कम खर्च में आरामदायक सफर की सुविधा मिल सके। रेलवे प्रशासन के अनुसार, स्पेशल ट्रेन में टिकट बुकिंग शुरू होने की आधिकारिक सूचना जल्द जारी की जाएगी।

बीआरपी-सीआरपी संघ ने उठाई सामाजिक सुरक्षा की मांग

रांची : सर्व शिक्षा अभियान से वर्तमान में समग्र शिक्षा अभियान के तहत कार्यरत बीआरपी-सीआरपी कर्मियों ने सरकार से सेवा अवधि को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी सुविधाएं देने की मांग की है। बीआरपी-सीआरपी एसएस संघ झारखंड के अध्यक्ष कृष्णा प्रसाद ने कहा कि 21 वर्षों की सेवा के बाद भी संविदा कर्मियों को उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि बीआरपी-सीआरपी ने समग्र शिक्षा के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के साथ जनगणना और चुनाव जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी लगातार योगदान दिया है, लेकिन सेवानिवृत्ति के समय उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक सुरक्षा नहीं मिल रही है। संघ ने मांग की है कि बीआरपी-सीआरपी को भी अन्य परियोजना कर्मियों की तरह परियोजना भत्ता, चिकित्सा भत्ता, महंगाई भत्ता, ग्रेच्युटी और पेंशन जैसी सुविधाएं दी जाएं। साथ ही विभाग के रिक्त पदों में आरक्षण देकर समायोजन की व्यवस्था की जाए।कृष्णा प्रसाद ने कहा कि परियोजना में गठित कल्याण कोष का उपयोग कर्मियों के हित में किया जाना चाहिए। उन्होंने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को सेवा अवधि के आधार पर एकमुश्त सहायता राशि देने की भी मांग की।

वज्रपात का कहर, धान रोपाई कर रहीं 5 महिलाओं की मौत, 4 झुलसीं

संवाददाता

रांची : राज्य में रविवार को आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई। रामगढ़ और गोड्डा जिलों में हुई अलग-अलग घटनाओं में धान की रोपाई कर रही पांच महिलाओं की वज्रपात की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस हादसे के बाद दोनों जिलों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

रामगढ़ में तीन महिलाओं की गई जानः पुलिस के अनुसार, रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड के सकुल और पलानी गांव में यह दर्दनाक हादसा हुआ। खेत में धान की रोपाई के दौरान अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। इस घटना में सकुल गांव की 45 वर्षीय रेखा देवी, 21 वर्षीय रोशनी कुमारी तथा पलानी गांव की 34 वर्षीय सुशांति देवी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद खेत में मौजूद अन्य लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस तथा प्रशासन को सूचना दी।

गोड्डा में भी दो महिलाओं की मौतः उधर, गोड्डा जिले के बसंतराय प्रखंड के महेशपुर-रामपुर गांव में भी धान की रोपाई के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। इस घटना में कुछ अन्य महिलाएं भी घायल हुई हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन लगातार घायलों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। खेतों में काम के दौरान हुआ हादसाः प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी महिलाएं बारिश के बीच खेतों में धान की रोपाई कर रही थीं। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हुआ और वज्रपात की घटना हुई। ग्रामीणों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया, लेकिन पांच महिलाओं की जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ब्राउन शुगर की तस्करी करते आरोपी पकड़ाया, 18 पुड़िया बेच चुका था तस्कर

संवाददाता

बोकारो : माराफारी थाना पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान डुमरो निवासी गनी अंसारी (50 वर्ष) के रुप में की गई है। उनपर ब्राउन शुगर की तस्करी का आरोप है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ब्राउन शुगर की दो पुड़िया और उसके बिक्री से मिले 8 ,850 रुपए नकद बरामद किया है।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने की कार्रवाईः दरअसल, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी जेब में ब्राउन शुगर की पुड़िया लेकर और इलाके में घूम-घूमकर बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने गनी अंसारी की तलाशी ली। और उसके पास से सफेद कागज में लिपटी ब्राउन शुगर की दो पुड़िया बरामद की।

जांच के दौरान जेब से पुलिस ने बरामद की नकदीः पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह कुल 20 पुड़िया लेकर निकला था, जिनमें से 18 पुड़ियां पहले ही उसने बेच दिया है। जांच के दौरान पुलिस ने उसके जेब से ब्राउन शुगर बेचने के बाद मिले 8,450 रुपये नकद बरामद की। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि ब्राउन शुगर का अवैध रूप से रखना और उसकी खरीद-बिक्री करना एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है। इस मामले में माराफारी थाना कांड संख्या 71/2026, दिनांक 2 अगस्त 2026 के तहत धारा 21(ए) एवं 22(ए) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत भेज दिया गया है।

बरामद सामानःब्राउन शुगर की दो पुड़ियां,8,450 रुपये नकद

इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) पवन कुमार ने किया। छापेमारी दल में माराफारी थाना प्रभारी मुहम्मद आजाद खान, सहायक अवर निरीक्षक बबलू कुमार राम सहित थाना एवं पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय के कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

जेपीएससी- जेएसएससी विवाद पर छात्रों के समर्थन में उतरे अभिजीत दीपके

बोले- सीजेपी आपके साथ है

संवाददाता

रांची : झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। इसी बीच सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके ने आंदोलनरत छात्रों से फोन पर बात कर उनके समर्थन का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी छात्रों की मांगों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

प्रदर्शनकारी छात्रों से की बातः अभिजीत दीपके ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्होंने झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित

अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से बातचीत की। उन्होंने छात्रों की समस्याओं को सुना और उनकी मांगों का समर्थन करने की बात कही।

'सीजेपी छात्रों के साथ खड़ी है': पोस्ट में अभिजीत दीपके ने कहा कि 'सीजेपी झारखंड के सभी छात्रों के साथ खड़ी है और उनकी मांगों का समर्थन करती है।' उन्होंने संकेत दिया कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग को उनकी पार्टी समर्थन दे रही है।

भर्ती परीक्षाओं को लेकर जारी है आंदोलनः झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर अभ्यर्थी लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्ष जांच और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। इसी बीच विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों की ओर से भी छात्रों को समर्थन मिलने का सिलसिला जारी है।

छात्रों ने निकाला जुलूस : रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। अनिश्चितकालीन सत्याग्रह के नौवें दिन सैकड़ों छात्रों ने जयपाल सिंह स्टेडियम से फिरायालाल चौक तक मशाल जुलूस निकाला और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारियों का कहना है कि यह केवल परीक्षाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि झारखंड के युवाओं के भविष्य की लड़ाई है। प्रदर्शन के दौरान आम लोगों ने भी छात्रों का समर्थन किया और कई सामाजिक संगठनों ने भोजन व अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की।

पहली सोमवारी आज,शिवमय हुई राजधानी

हर-हर महादेव के नारों से गूंजा पहाड़ी मंदिर 50 हजार श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में श्रावण माह की पहली सोमवारी पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह सरकारी पूजा के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए। इसके बाद करीब 50 हजार श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इससे पहले सुबह 3 बजे पहाड़ी मंदिर में विधि-विधान के साथ सरकारी पूजा संपन्न हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए और जल व दूध अर्पित किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव', 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजता रहा।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजामः श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में 80 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग व्यवस्थाः मंदिर आने वाले हर मार्ग पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पहली सोमवारी पर भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग बैरिकेडिंग की व्यवस्था की, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो।

सेवा शिविरों में मिला श्रद्धालुओं को सहयोगः पहली सोमवारी के अवसर पर कई सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने सेवा शिविर लगाए। यहां श्रद्धालुओं के बीच नारियल, बेलपत्र, फूल, फल और अन्य पूजन सामग्री का वितरण किया गया। शिवभक्तों की सुविधा के लिए पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं।

कम उम्र में संगीत की बुलंद उड़ान भर रहे हैं बाल संगीतकार नैतिक कुमार

मेट्रो रेज

रांचीः कम उम्र में अपनी असाधारण संगीत प्रतिभा के दम पर पहचान बना रहे रांची के नैतिक कुमार आज के उभरते हुए बाल संगीतकार, बहु-वाद्ययंत्र वादक और संगीत निर्माता के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने ट्रिनिटी कॉलेज लंदन से ग्रेड-6 पियानो प्रमाणपत्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्राप्त किया है तथा बेस्ट कीबोर्डिस्ट अवॉर्ड से भी सम्मानित हो चुके हैं। वर्तमान में वे ट्रिनिटी कॉलेज लंदन से ग्रेड-7 पियानो की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

नैतिक ने कम आयु में ही संगीत रचना, संगीत संयोजन और संगीत निर्माण के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली परिचय दिया है। वे लॉजिक प्रो एक्स की सहायता से पेशेवर स्तर पर मिक्सिंग एवं मास्टरिंग का कार्य करते हैं तथा विभिन्न शैलियों में मौलिक संगीत का सृजन करते हैं। पियानो, कीबोर्ड, गिटार, बांसुरी, मैंडोलिन, हारमोनियम, मेलोडिका और माउथ ऑर्गन सहित अनेक वाद्ययंत्रों पर उनकी अच्छी पकड़ है।

नैतिक कुमार के संगीत निर्देशन में कई भजन एल्बम तैयार होकर रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें श्रोताओं का भरपूर स्नेह और सराहना मिली है। अपनी रचनात्मक सोच, मंचीय प्रस्तुतियों, अनुशासित अभ्यास और निरंतर सीखने की लगन के बल पर वे भारतीय संगीत जगत में अपनी अलग और विशिष्ट पहचान स्थापित करने की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। समाजसेवी सह डब्ल्यू आई सी सी आई की वॉइस प्रेसिडेंट वीणा श्री ने कहा कि नैतिक कम उम्र में बहुत अच्छा कर रहा है आने वाला कल का स्टार है।

जेपीएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन के समर्थन में उतरे बाबूलाल, कहा-जरूरत पड़ी तो खुद टेंट लगवाऊंगा

संवाददाता

रांची : जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी के विरोध में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि हजारों छात्र पूरी रात मूसलाधार बारिश में खुले आसमान के नीचे धरने पर बैठे रहे।

लेकिन उन्हें टेंट लगाने की अनुमति तक नहीं दी गई। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अपने भविष्य के लिए शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार अमानवीय और असंवेदनशील है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

बीजेपी नेता ने बताया कि उन्होंने इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव से बात की है। उन्होंने मुख्य सचिव से कहा कि आंदोलन कर रहे छात्र झारखंड और देश का भविष्य हैं। इसलिए उन्हें तुरंत टेंट लगाने की अनुमति दी जानी चाहिए। सरकार से भी अपील की कि छात्रों के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाएं और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएं।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अगर इसके बाद भी सरकार छात्रों की बात नहीं सुनती और टेंट लगाने की अनुमति नहीं देती, तो वह खुद आंदोलन स्थल पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह श्रमदान कर छात्रों का टेंट लगाने में भी मदद करेंगे।

नीट यूजी काउंसेलिंग शेड्यूल आउट, 5 अगस्त से आवेदन, 17 को आएगा पहला रिजल्ट

रांची : मेडिकल काउंसेलिंग कमेटी (एमसीसी) की ओर से नीट यूजी 2026 काउंसेलिंग के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। पहले राउंड की काउंसेलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पांच अगस्त से शुरू होगी। 12 अगस्त तक रजिस्ट्रेशन व शुल्क भुगतान कर सकेंगे। च्वॉइस फिलिंग छह से 13 अगस्त तक होगी। सीट आवंटन की प्रक्रिया 13 से 16 अगस्त तक चलेगी और परिणाम 17 अगस्त को जारी होगा। चयनित अभ्यर्थियों को 18 से 22 अगस्त तक संबंधित संस्थानों में रिपोर्ट करना होगा। इसके माध्यम से देशभर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, बीडीएस, बीएससी नर्सिंग कोर्स में नामांकन लिए जायेंगे। इसमें ऑल इंडिया कोटा के 15 प्रतिशत सीटों, डिम्ड यूनिवर्सिटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, एम्स, जीपमर शामिल होंगे। नीट क्वालिफाई करने वाले अभ्यर्थी काउंसेलिंग में शामिल हो सकेंगे। इसके साथ ही स्टेट कोटा के सीटों पर नामांकन के लिए भी तिथि की घोषणा कर दी गयी है।

दूसरे राउंड का रजिस्ट्रेशन 29 अगस्त तकः सेंट्रल काउंसेलिंग के तहत दूसरे राउंड के लिए रजिस्ट्रेशन 25 से 29 अगस्त तक होगा। च्वॉइस फिलिंग 25 से 30 अगस्त तक कर सकेंगे। सीट आवंटन का परिणाम दो सितंबर को जारी किया जायेगा और रिपोर्टिंग 3 से 8 सितंबर तक होगी। तीसरे राउंड की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 11 से 15 सितंबर तक चलेगी। च्वॉइस फिलिंग 11 से 16 सितंबर तक कर सकेंगे। सीट अलॉटमेंट रिजल्ट 18 सितंबर को जारी होगा। 19 से 26 सितंबर तक रिपोर्टिंग की प्रक्रिया होगी। स्ट्रे वैकेंसी राउंड के लिए रजिस्ट्रेशन 28 से 30 सितंबर तक होगा। सीट आवंटन परिणाम तीन अक्तूबर को घोषित किया जायेगा। रिपोर्टिंग की प्रक्रिया 4 से 10 अक्तूबर तक होगी।

काउंसेलिंग की प्रक्रिया 13 से 22 अगस्त तक होगीः ऑल इंडिया कोटा के साथ स्टेट कोटा के 85 प्रतिशत सीटों पर भी नामांकन की प्रक्रिया होगी। स्टेट कोटा के पहले राउंड की काउंसेलिंग 13 से 22 अगस्त तक होगी। दूसरे चरण की काउंसेलिंग 31 अगस्त से आठ सितंबर, तीसरे चरण की काउंसेलिंग 16 सितंबर से 26 सितंबर और स्ट्रे वैकेंसी राउंड तीन अक्तूबर से पांच अक्तूबर तक आयोजित की जायेगी। स्टेट कोटा के सीटों पर काउंसेलिंग के लिए जेसीईसीइबी की ओर से विस्तृत शेड्यूल जारी किया जायेगा। इसके साथ ही स्टेट कोटा के सीटों पर नामांकन के लिए भी तिथि की घोषणा कर दी गयी है।

झुंड से भटककर कुएं में गिरा जंगली हाथी घंटों की मेहनत के बाद किया गया रेस्क्यू

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में इन दिनों जंगली हाथियों का झुंड जंगल से बाहर निकल कर ग्रामीण क्षेत्रों में घूम रहा है। रांची में भी कई इलाकों में जंगली हाथियों का प्रकोप है। जंगल से बाहर निकल रहे हाथी हादसों का भी शिकार हो रहे हैं। ताजा मामला रांची के लापुंग इलाके का है। रविवार की देर रात एक जंगली हाथी कुएं में जा गिरा। कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया।

क्या है पूरा मामलाः रांची लापुंग प्रखंड के जरिया मंगरा टोली गांव में रविवार देर रात एक जंगली हाथी खुले कुएं में गिर गया। ग्रामीण सुखदेव महतो ने बताया कि हाथियों का एक दल भोजन की तलाश में गांव के आसपास पहुंचा था। इसी दौरान अंधेरे में रास्ता भटकने से एक हाथी पुराने कच्चे कुएं में जा गिरा। कुएं से हाथी की तेज आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही विभाग की टीम आवश्यक उपकरणों और दो जेसीबी मशीनों के साथ घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

कुएं की मिट्टी काट बनाया गया रास्ताः रेस्क्यू टीम ने काफी सावधानी के साथ कुएं के किनारे को काटकर बाहर निकलने का रास्ता तैयार किया। करीब तीन घंटे तक चले अभियान के बाद हाथी को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया गया। बाहर आते ही हाथी कुछ देर रूका और फिर जंगल की ओर लौट गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समय पर सूचना मिलने और ग्रामीणों के सहयोग से अभियान सफल रहा।

जेपीएससी नियुक्ति घोटाले पर छात्र नेता ने शुरू की अनिश्चितकालीन

संवाददाता

रांचीः झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम को लेकर शुरू हुआ विवाद लगातार गहराता जा रहा है। जांच एजेंसियों की पड़ताल में कई तथ्य सामने आने की बात कही जा रही है। जांच का दायरा अब जेपीएससी से बढ़कर झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षाओं तक पहुंच गया है। इसी मुद्दे को लेकर छात्रों का सत्याग्रह रविवार को नौवें दिन भी जारी रहा।

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की छात्र नेता ने की घोषणाः धरनास्थल पर छात्र आंदोलन का समर्थन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने, विवादित परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल सहित अन्य परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर यह भूख हड़ताल शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी की विवादित प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी हुए एक माह बीत चुका है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के हितों की अनदेखी कर रही है।

देश के अलग-अलग हिस्सों से छात्रों को मिल रहा समर्थनः धरना में शामिल छात्रों को देश के विभिन्न हिस्सों से भी समर्थन मिल रहा है। रविवार को कई लोगों ने ऑनलाइन फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म के माध्यम से आंदोलनकारियों के लिए भोजन भेजा। दिनभर प्रदर्शन स्थल पर खाने के पैकेट पहुंचते रहे, जिन्हें अभ्यर्थियों के बीच वितरित किया गया।

जगन्नाथपुर मेला हुआ समाप्त ठेकेदार ने नहीं दिया पूरा पैसा

रांची : जगन्नाथपुर मेला समाप्त हो गया। लेकिन मेला आयोजित करने वाले ठेकेदार ने टेंडर की शर्तों के अनुसार पूरा पैसा नहीं दिया। अधिवक्ता हर्ष कुमार द्वारा उपायुक्त को भेजी गयी शिकायती पत्र में इस तथ्य का उल्लेख किया गया है। साथ ही 2023-26 तक के टेंडर में हुई गड़बड़ी की जांच की मांग की गयी है।

उपायुक्त को भेजे गये शिकायती पत्र में कहा गया है कि वर्ष 2026 में मेला के आयोजन के लिए प्रकाशित टेंडर में सफल ठेकेदार को 2.27 करोड़ रुपये में मेला आयोजित करने का काम दिया गया था। मेला के लिए प्रकाशित टेंडर की शर्तों के अनुसार सफल ठेकेदार को मेला समाप्त होने या उससे पहले तक पूरी राशि जमा करना था।

टेंडर की शर्तों के अनुसार, काम मिलने के बाद ठेकेदार को तीन दिनों के अंदर टेंडर राशि का 50% (1.135 करोड़) राशि बैंक ड्रॉफ्ट के माध्यम से जमा करना था। इसके अलावा 50% (56.75 लाख) राशि की बैंक गारंटी देनी थी। शेष 50% (56.75 लाख) रुपये मेला समाप्त होने तक जमा करना था। लेकिन ठेकेदार ने सिर्फ एक करोड़ रुपये ही जमा किया है।

उपायुक्त को भेजे गये शिकायती पत्र में मंदिर न्यास समिति द्वारा वर्ष 2023-26 तक की अवधि में टेंडर में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया गया है। साथ ही इसके जांच की मांग की गयी है। शिकायती पत्र में कहा गया है कि 41.27 एकड़ क्षेत्र में मेले का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2023 में मेले का टेंडर 75 लाख रुपये में हुआ था। वर्ष 2024 मेले का टेंडर 1.92 करोड़ रुपये में हुआ था। लेकिन ठेकेदार ने 1.70 करोड़ रुपये ही जमा किया था। वर्ष 2025 में मेले के टेंडर में अप्रत्याशित ढंग से गिरावट दर्ज की गयी। 2025 में मेला का टेंडर सिर्फ 51 लाख रुपये में हुआ। मेले का क्षेत्रफल समान रहने और दुकानों की संख्या में किसी तरह की कमी नहीं होने के बावजूद 2024 के मुकाबले सिर्फ 51 लाख रुपये में मेले का टेंडर होना अप्रत्याशित है। उपायुक्त को भेजे गये पत्र में मेले के टेंडर में हुई इस भारी गिरवाट के कारणों की स्वतंत्र जांच की मांग की गयी है।

धुर्वा केसरी समाज का सावन उत्सव संपन्न,सुमन केसरी बनी सावन क्वीन

मेट्रो रेज

रांचीः केसरी समाज द्वारा महिलाओं ने सावन उत्सव का आयोजन शिवानी इंटरनेशनल होटल में अंजना केसरी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर समाज की महिलाएं एकत्रित होकर परंपरागत गीत से सावन का स्वागत एवं कार्यक्रम को प्रारंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें सुमन केसरी सावन क्वीन चुनी गई। बैलून रेस में श्वेता गुप्ता शर्मिला केसरी मंजू देवी सरिता केसरी को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया। म्यूजिकल चेयर में शर्मिला केसरी विजेता हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंजना केसरी मंच का संचालन शिखा एवं धन्यवाद ज्ञापन पूनम केसरी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंजना केसरी,पूनम केसरी,सुधारानी, श्वेता केसरी,शिखा केसरी,अंजना केसरी, सरिता केसरी, बिना केसरी,श्वेता गुप्ता ,आरती केसरी,सरिता केसरी एवं केसरी समाज की अन्य महिलाएं उपस्थित थी।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

बच्चों की सेहत के पक्ष में अनुकरणीय पहल

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के 1.08 लाख से अधिक स्कूलों और उनके 50 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री, मुफ्त वितरण और विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का साहसिक और अनुकरणीय फैसला किया है। यह फैसला बच्चों के स्वस्थ भविष्य की दिशा में उठाया गया आवश्यक कदम कहा जाएगा। समोसा, वड़ा पाव, चिप्स, डीप-फ्राइड स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक्स और चॉकलेट जैसे ज्यादा वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों को स्कूलों की सीमा से बाहर कर-के सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बच्चों का स्वास्थ्य उसकी प्राथमिकता में है। महाराष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कदम बढ़ाकर अन्य राज्यों के सामने भी नजीर पेश की है। बड़ा सवाल यह है कि देश के अन्य राज्य इस दिशा में कब तत्परता दिखाएंगे? क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने एक रिपोर्ट जारी कर इस बारे में पहले ही चेतावनी दे दी है। दोनों संस्थानों के अध्ययन में पाया गया कि पिछले 14 साल में देश में जंक फूड की खपत 150 फीसदी बढ़ गई है। इसकी बड़ी वजह बच्चों में इसका बढ़ता आकर्षण है और उसके पीछे जंक फूड की सहज उपलब्धता और बच्चों को लुभाने वाले विज्ञापन हैं। बचपन की सबसे बड़ी पूंजी अच्छी सेहत होती है, लेकिन आधुनिक जीवनशैली के कारण बच्चों की थाली से पारंपरिक और पौष्टिक भोजन गायब होता जा रहा है। इसका परिणाम कम उम्र में ही बच्चों में बढ़ते मोटापे, बाल-मधुमेह और जीवनशैली से जुड़ी अन्य गंभीर बीमारियों के रूप में सामने आ रहा है। नीति आयोग और यूनिसेफ जैसी संस्थाओं ने अनुमान जताया है कि यदि बच्चों के आहार पर ध्यान नहीं दिया गया तो 2030 तक देश के 11 फीसदी बच्चे मोटापे और उससे होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाएंगे। ऐसे में स्कूलों के भीतर और आसपास 'ईट राइट स्कूल' अभियान को सख्ती से लागू करने, खाने-पीने की चीजों के लिए एफएसएसएआइ लाइसेंस अनिवार्य करने और खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक नियुक्ति के निर्देश अत्यंत व्यावहारिक हैं। हालांकि, इस नीति की सफलता कागजी नियमों से ज्यादा धरातल पर इसके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। 50 मीटर के दायरे में रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों पर लगातार निगरानी रखना और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती होगी। साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि केवल पाबंदी लगा देना ही काफी नहीं है। बच्चों को स्वस्थ विकल्पों की ओर आकर्षित करना भी उतना ही जरूरी है। जब तक स्कूल कैंटीन में स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक बच्चों को जंक फूड से पूरी तरह दूर रख पाना कठिन होगा। देश को यदि अपनी युवा आबादी के स्वास्थ्य की रक्षा करनी है तो केंद्र और सभी राज्य सरकारों को मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों में जंक फूड के खिलाफ सख्त नीतियां बनानी होंगी। इसे एक जन-आंदोलन की तरह चलाया जाना चाहिए।

शिक्षकों की चयन प्रक्रिया संवेदनशील बनाने की जरूरत

स्कूलों को ज्ञान का मंदिर कहा जाता है। ऐसा मंदिर जिसमें बच्चों की आराधना में जीवन मूल्यों का पाठ शामिल होता है। जहां पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार व अनुशासन की घुट्टी भी पिलाई जाती है। माता-पिता भी अपने बच्चों को स्कूल में दाखिला कराने के साथ ही यह उम्मीद बांधते हैं कि वे न केवल संस्कारित होंगे बल्कि भावी जीवन की राह भी आसान करने की सीख लेंगे। लेकिन जब ज्ञान के किसी मंदिर में बच्चों को सजा के रूप में मां की गाली लिखने को कहा जाए तो अभिभावकों का यही भरोसा टूटता नजर आता है। न केवल यह भरोसे के टूटने का सवाल है बल्कि हमारी शिक्षण संस्थाओं में शिक्षकों की चयन प्रक्रिया पर भी सवाल है जिसमें ऐसे शिक्षक तैनात कर दिए जाते हैं जो खुद ही संस्कारवान नहीं है। छत्तीसगढ़ के सरगवां में एक निजी स्कूल में दो बच्चों के बीच हुई मारपीट की घटना में आठवीं कक्षा के एक छात्र को सजा के रूप में सौ-सौ बार हिंदी व अंग्रेजी में मां की गाली लिखने को कहा गया। इतना ही नहीं छात्र को यह भी फरमान सुनाया गया कि वह गालियां लिखी इस कॉपी पर अपने माता-पिता के हस्ताक्षर करा कर लाए। हैरत की बात यह कि यह फरमान देने वाली शिक्षक भी खुद महिला थी। स्कूल में दो बच्चों के बीच कहासुनी के बाद हुई मारपीट के बाद यह उम्मीद की जाती थी कि शिक्षक की भूमिका समस्या के समाधान के रूप में होगी। उम्मीद यह भी कि बच्चों को सही-गलत का भेद समझाने के प्रयास भी किए जाते। लेकिन सजा का ऐसा फरमान न केवल समूचे शिक्षा जगत के लिए शर्मनाक है बल्कि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करने वाली है। सवाल यह कि क्या शिक्षक बनने के लिए सिर्फ निर्धारित शैक्षणिक योग्यता ही पर्याप्त है? क्या शिक्षक के आचरण, उसकी मनोस्थिति और बच्चों के प्रति संवेदनशील होने जैसी बातों को इस चयन प्रकिया में नहीं देखा जाना चाहिए? छत्तीसगढ़ की यह घटना तो बानगी है। देशभर की शिक्षण संस्थाओं में गाहे-बगाहे शिक्षकों के आचरण से जुड़े ऐसे मामले सामने आते रहते हैं जिनमें लगता है कि जो स्वयं ही संस्कारित न हो वे भला बच्चों में क्या संस्कार दे पाएंगे। वस्तुतः शिक्षकों का चयन एक संवेदनशील प्रक्रिया है। इसमें शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ चयनित शिक्षकों का मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी जरूरी है। बच्चों के प्रति सहानुभूति, वात्सल्य भाव, सभी पक्षों को धैर्य से सुनने की क्षमता व विवाद का निष्पक्ष व उचित समाधान जैसे विषय ऐसे हैं जो ऐसे मनोवैज्ञानिक परीक्षण का हिस्सा बनाए जाने चाहिए। ऐसी चयन प्रक्रिया जिसमें शिक्षक खुद ही विवेकशील नहीं हो बल्कि बच्चों को भी विवेकवान बनाने में सक्षम हो। क्योंकि बचपन में शिक्षकों की कही अप्रिय बातें बच्चों के मन में बैठ जाती हैं, जो जीवनभर याद रहती हैं। बच्चों के प्रति संवेदशील व चरित्रवान शिक्षक नियुक्त होंगे तो ऐसी घटनाएं स्वतः ही थम जाएंगी।

प्रेमचंद साहित्य के साथ कितना न्याय कर पाया हिंदी सिनेमा?

'मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं भारतीय समाज के सबसे प्रामाणिक दस्तावेज हैं। शायद यही कारण है कि हिंदी सिनेमा में मुंशी प्रेमचंद की कृतियों को ही सर्वाधिक फिल्माया गया है, अन्यथा साहित्यिक कृतियों पर फिल्म बनाने का प्रचलन न पहले था और न ही आज है।'

योगेंद्र माथुर

मुंशी प्रेमचंद अपने युग के सर्वाधिक जागरूक साहित्यकार थे, इसीलिए उनके साहित्य में भारतीय समाज जीवंतता से मूर्त हुआ है। उनका देहावसान (8 अक्तूबर 1936) हुए लगभग 9 दशक बीत चुके हैं लेकिन अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेमचंद सदैव जीवित रहे हैं। उन्होंने भारतीय समाज का ऐसा यथार्थ चित्र दिया है कि हम अपने हिंदुस्तान को उनकी रचनाओं में ढूंढ सकते हैं। समाज के अंतसंबंधों के जो चित्र उन्होंने दिए हैं वे आज भी अप्रासंगिक नही हुए हैं।

मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं भारतीय समाज के सबसे प्रामाणिक दस्तावेज हैं। शायद यही कारण है कि हिंदी सिनेमा में मुंशी प्रेमचंद की कृतियों को ही सर्वाधिक फिल्माया गया है, अन्यथा साहित्यिक कृतियों पर फिल्म बनाने का प्रचलन न पहले था और न ही आज है। अपवाद स्वरूप ही कभी किसी साहित्यिक कृति को फिल्म का आधार बनाया जाता है। प्रेमचंद साहित्य पर उनके जीवनकाल में भी फिल्में बनी थीं और उनके देहांत बाद भी बनती रही हैं। बाल फिल्म सोसाइटी और सूचना प्रसारण विभाग के फिल्म्स डिविजन ने प्रेमचंद की रचनाओं पर लघु फिल्मों के साथ कुछ फीचर फिल्में भी बनाई हैं। स्वयं प्रेमचंद भी फिल्मी दुनिया से जुड़े थे मगर रम नही पाए।

मुंशी प्रेमचंद के साहित्य पर फिल्म निर्माण की शुरूआत उनके जीवनकाल में ही हो गई थी। सन 1934 में अजंता मूवीटोन कंपनी के मोहन भवनानी के आग्रह पर प्रेमचंद में मुंबई आकर मिल नाम से फिल्म की कहानी लिखी थी। फिल्म में तत्कालीन कपड़ा मिल मालिकों की शोषण वृत्ति के विरुद्ध मजदूरों की हड़ताल को सरकार ने आपत्तिजनक मानकर फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया था। कुछ दृश्य परिवर्तन के बाद यह फिल्म मजदूर नाम से परदे पर आ सकी थी। मजदूरों की हड़ताल दशार्ने वाली यह पहली फिल्म थी। जयराज, नयमपल्ली और बिब्बो द्वारा अभिनीत इस फिल्म को आलोचकों की काफी सराहना मिली लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कोई विशेष चमत्कार नही दिखा पाई। इस फिल्म के विषय में स्व. बलराज साहनी ने अपनी फिल्मी आत्मकथा में लिखा है कि मिल मालिक और मजदूरों के संबंधों का चित्रण जितनी तल्खी और सच्चाई से इस फिल्म में हुआ वैसा पहले कहीं न देखा न पढ़ा। संभवतः इस फिल्म का आज कोई प्रिंट उपलब्ध नही है।

मुंबई आने से पूर्व मुंशी प्रेमचंद महालक्ष्मी सिनेटोन को अपने उपन्यास सेवा सदन पर फिल्म बनाने की अनुमति दे चुके थे। इस कंपनी के लिए निमार्ता निर्देशक नानुभाई वकील द्वारा इस उपन्यास पर इसी नाम से फिल्म बनाई गई जिसमें अभिनेता साहू मोड़क ने समाज सुधारक की और अभिनेत्री जुबैदा ने अभागी वैश्या की भूमिका पूरी ईमानदारी के साथ निभाई थी लेकिन मुंशी प्रेमचंद अपनी कहानी के इस फिल्मी रूपांतरण से संतुष्ट न हो सके और फिल्मी दुनिया को छोड़ने का निर्णय कर लिया। बाद में फिल्म भी अधिक नहीं चल पाई। सन 1934 में ही प्रदर्शित इस फिल्म के संबंध में आलोचकों के साथ आम धारणा यही रही कि उपन्यास के साथ समुचित न्याय नहीं हो पाया।

सेवासदन के बाद कुछ वर्षों के अंतराल में मोहन भवनानी ने पुनः प्रेमचंद का उपन्यास अपनी फिल्म के लिए चुना। सन 1946 में रंगभूमि पर इसी नाम से बनी यह फिल्म भी मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं पर बनी पूर्व फिल्मों की तरह दर्शकों पर कोई विशेष प्रभाव छोड़ने में सफल नहीं हो पाई। अभिनेत्री निगार सुलताना की यह पहली फिल्म थी।

स्वतंत्रता के बाद सन 1959 में निमार्ता कृष्ण चौपड़ा ने प्रेमचंद की कहानी दो बैलों की कथा पर ₹हीरा मोती₹ शीर्षक से फिल्म बनाई। मुंबईया व्यावसायिक ढर्रे से हटकर इस फिल्म का निर्माण यथार्थवादी शैली में किया गया था। बलराज साहनी और निरूपाराय इस फिल्म की मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को समीक्षकों की सराहना मिली लेकिन दर्शक अधिक नहीं मिले। अपनी अगली फिल्म के लिए कृष्ण चौपड़ा ने एक बार पुनः प्रेमचंद का उपन्यास गबन चुना। इसी नाम से बनना आरंभ हुई इस फिल्म के निर्माण के दौरान ही कृष्ण चौपड़ा का निधन हो गया। बाद में यह फिल्म ऋषिकेश मुखर्जी ने पूरी की। गबन उस मध्यमवर्गीय समाज के जीवन को चित्रित करता है जो अर्थ संकट में जीते हुए मिथ्या मान मयार्दा रखने के लिए ऋण लेकर भावी जीवन को कष्टमय बनाने को विवश हो जाता है। सुनील दत्त और साधना द्वारा अभिनीत सन 1966 में प्रदर्शित यह फिल्म काफी सराही गई और व्यावसायिक दृष्टि से भी सफल साबित हुई। इस फिल्म में मोहम्मद रफी का गया गीत अहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है दोस्तों... आज भी हमारी जुबान पर आ जाता है।

1963 में निर्माता निर्देशक त्रिलोक जेटली ने प्रेमचंद के गोदान उपन्यास को फिल्माया। फिल्म में राजकुमार और कामिनी कौशल ने क्रमशः होरी व धनिया की भूमिका को जीवंतता के साथ निभाकर अभिनय के नए आयाम स्थापित किए। फिल्म विकास निगम से ऋण प्राप्त करने वाली यह पहली फिल्म थी।

सन 1977 में शतरंज के खिलाड़ी नाम से प्रेमचंद की इसी कहानी पर आधारित फिल्म का निर्माण सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक सत्यजीत राय ने किया। चूंकि मुंशी प्रेमचंद की कहानी में पूरी लंबाई की फिल्म बनाने लायक पात्र व घटनाएं नहीं थी, इसलिए सत्यजीत राय ने अपनी फिल्म को तथ्य व कथ्य का मिश्रण कह कर कुछ नए पात्र रचे किंतु केंद्रीय पात्र प्रेमचंद की कहानी के मीर व मिर्जा ही रहे, जिनकी भुमिकाएं क्रमशः संजीव कुमार व सईद जाफरी ने निभाई। प्रेमचंद की कहानी में की गए इस परिवर्तन को आलोचकों द्वारा बाद में कथा हत्या तक कहा गया। हालांकि फिल्म को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फीचर फिल्म के राष्ट्रीय पुरस्कार व फिल्म फेयर पुरस्कार सहित कई अन्य पुरस्कार व सम्मान मिले। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने कथा सूत्रधार (नैरेटर) की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म हिंदी, उर्दू दोनों भाषाओं में बनी थी। निर्देशक सत्यजीत राय ने ही सन 1981 में सद्गति नाम से एक टेली फिल्म बनाई। सामाजिक अत्याचार और छुआछूत पर करारा प्रहार करती इस फिल्म की निर्माण लागत लगभग 5 लाख रुपए थी जो की उस समय टेलीविजन इतिहास का एक रिकार्ड थी। फिल्म में ओमपुरी और स्मिता पाटिल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थी।

भारत में टेलीविजन क्रांति और दूरदर्शन युग की शुरूआत के साथ छोटे परदे पर नाटक व धारावाहिक शो की शुरूआत हुई। हम लोग, बुनियाद, व नुक्कड़ जैसे धारावाहिकों के प्रसारण के साथ एक बड़ा दर्शक वर्ग छोटे परदे से जुड़ गया। घर-घर में संपूर्ण परिवार के साथ छोटे परदे के कार्यक्रम देखे जाने लगे। रामायण और महाभारत जैसे धार्मिक धारावाहिकों के छोटे परदे पर प्रदर्शन के बाद तो सिनेमा से जुड़ा एक बड़ा वर्ग छोटे परदे की ओर आकर्षित हुआ और फिर आम जीवन का ऐसा कोई विषय अछूता नहीं रहा जिस पर कोई कार्यक्रम छोटे परदे के लिए न बना हो। ऐसे में साहित्य का क्षेत्र कैसे अछूता रह सकता था। फिर मुंशी प्रेमचंद की पहचान तो थी ही पीड़ित, दलित, शोषित, गरीब, अछूत वर्ग के हितैषी साहित्यकार के रूप में, तो उनकी रचनाओं को लेकर भी फिल्मकारों ने छोटे परदे की ओर रुख किया।

टेलीविजन के आरंभिक दौर में छोटे पर्दे के दर्शकों को मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास पर आधारित धारावाहिक निर्मला व कर्मभूमि देखने को मिले। निर्मला का निर्माण निमार्ता ब्रज टिक्कू ने किया था और कर्मभूमि निर्माता अजय मेहरा द्वारा बनाया गया था। इसका निर्देशन रिजवान शिराज ने किया था और पटकथा व संवाद अरुण कौल ने लिखे थे। दोनों ही धारावाहिकों में उपन्यास की मूल कथा के साथ कितना न्याय हो पाया, इसे लेकर इनके निर्माताओं के अपने -अपने दावे थे। लेकिन वे अपने दावे पर कितने खरे उतर पाए, यह बहस का ही विषय रहा। बाद में निर्माता अजय मेहरा प्रेमचंद के ही उपन्यास सेवासदन पर इसी नाम से 39 कड़ियों वाला धारावाहिक दूरदर्शन पर लेकर आए। अजय मेहरा ने ही सन 2014 में सेवासदन के उर्दू संस्करण पर इसी नाम से बाजार-ए-हुस्न फिल्म बनाई। फिल्म में ओमपुरी, रश्मि घोष आदि कलाकार थे। फिल्म अधिक अधिक चर्चा में नहीं आ पाई।

प्रसिद्ध साहित्यकार व फिल्मकार गुलजार ने सन 2004 में मुंशी प्रेमचंद की विभिन्न कहानियों को लेकर एक 27 कड़ियों वाला धारावाहिक बनाया। तहरीर नाम से यह धारावाहिक डीडी नेशनल पर प्रसारित हुआ। इसमें पंकज कपूर और सुरेखा सीकरी जैसे मंजे हुए कलाकारों ने अभिनय के रंग बिखेरे। गीतकार गुलजार ने दूरदर्शन के लिए मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास गोदान पर भी 26 कड़ियों वाला एक धारावाहिक बनाया। प्रेमचंद साहित्य पर आधारित व इससे प्रभावित कथानकों पर हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं में भी फिल्में बनी हैं और काफी चर्चित व सफल रही हैं। मुंशी प्रेमचंद ने समाज के शोषित व पीड़ित वर्ग को ही अपने साहित्य का मुख्य आधार बनाया है। नारी स्वातंत्र्य व सशक्तिकरण का स्वर भी प्रेमचंद साहित्य का प्रमुख स्वर रहा है। संभवतः यही कारण है कि आज डिजिटल प्लेटफार्मों के नए दौर में भी प्रेमचंद साहित्य फिल्मकारों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नए दौर के फिल्मकार अपने चिंतन व दृष्टिकोण से प्रेमचंद साहित्य का फिल्मी रूपांतरण करने में जुटे हैं। यह अलग बात है कि स्वयं मुंशी प्रेमचंद फिल्मी दुनिया की कार्यप्रणाली व इससे जुड़े लोगों की मनोवृत्ति से खासे असंतुष्ट थे। फिल्मी दुनिया से जुड़ने के अल्पकाल में ही इससे हुए मोहभंग को लेकर उन्होंने जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र कुमार व इन्द्रनाथ मदान सहित अपने अन्य साहित्यिक मित्र व समकालीन साहित्यकारों को लिखे पत्रों में अपनी पीड़ा व्यक्त की है। यहां प्रश्न यह है कि भारतीय सिनेमा मुंशी प्रेमचंद के साहित्य के साथ कितना न्याय कर पाया है? समुचित जवाब दर्शक ही दे सकेंगे।

गर्भावस्था के दौरान देखभाल में कमी से बढ़ता जोखिम

'कुछ आयुर्वेदिक दवाओं में लेड, मर्करी या आर्सेनिक जैसी धातुओं की मौजूदगी भी पाई गई है ।ये कारक पहले से मौजूद हाई-रिस्क गर्भावस्था के साथ जुड़ जाएं तो मां और शिशु, दोनों के लिए गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है।'

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

हाल के महीनों में राजस्थान के छोटे और दूर-दराज के अस्पतालों में इमरजेंसी सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की मौत के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी देखी गई। ये दुखद घटनाएं सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि उन युवा प्रसूताओं की कहानी हैं, जिन्होंने नई जिंदगी को जन्म देते हुए अपनी जान गंवा दी। उनकी मौतें गर्भावस्था के दौरान देखभाल में गंभीर कमियों की ओर इशारा करती हैं। जिन महिलाओं की मौतें हुईं, उनमें अधिकांश पहले से ही हाई-रिस्क गर्भावस्था से जूझ रही थीं।

इनमें गर्भावस्था में टॉक्सेमिया (खतरनाक रूप से हाई ब्लड प्रेशर), एचईएलएलपी सिंड्रोम (लिवर और रक्त के थक्के बनने से जुड़ी गंभीर समस्या) तथा गंभीर एनीमिया जैसी स्थितियां शामिल थीं। हालांकि मौत का तात्कालिक कारण सिजेरियन ऑपरेशन के दौरान उत्पन्न जटिलताएं थीं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि मूल समस्या गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त और समय पर देखभाल का अभाव था। गर्भावस्था के दौरान आयुर्वेदिक दवाओं के बढ़ते उपयोग ने भी विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है। ये दवाएं अक्सर बिना चिकित्सकीय सलाह के ली जाती हैं और आशा वर्कर, एएनएम या पारंपरिक दाइयों द्वारा इनका रेकॉर्ड भी नहीं रखा जाता।

परिवार इन्हें प्राकृतिक और सुरक्षित मानते हैं, जबकि इनमें कुछ छिपे हुए जोखिम हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ जड़ी-बूटियां गर्भाशय को उत्तेजित कर समय से पहले संकुचन पैदा कर सकती हैं, हर्बल मिश्रण हार्मोनल संतुलन में बाधा डालते हैं जो स्वस्थ गर्भावस्था के लिए जरूरी हैं। कुछ आयुर्वेदिक दवाओं में लेड, मर्करी या आर्सेनिक जैसी धातुओं की मौजूदगी भी पाई गई है। ये कारक पहले से मौजूद हाई-रिस्क गर्भावस्था के साथ जुड़ जाएं तो मां और शिशु, दोनों के लिए गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। गर्भावस्था के दौरान पारंपरिक उपचारों का रेकॉर्ड नहीं रखने से डॉक्टर्स के लिए जटिलताओं का कारण समझना मुश्किल हो जाता है। इमरजेंसी में यह जानलेवा साबित हो सकता है।

इसी कारण विशेषज्ञ मातृ मृत्यु में आयुर्वेदिक उपचारों की भूमिका की व्यवस्थित जांच की आवश्यकता बता रहे हैं। उनके अनुसार, क्लिनिकल ऑडिट, आयुर्वेदिक दवाओं की टॉक्सिकोलॉजिकल जांच और सामुदायिक सर्वे के माध्यम से इन उपचारों के वास्तविक प्रभाव का बेहतर आकलन किया जा सकता है। मकसद आयुर्वेद को खारिज करना नहीं है, जिसकी सांस्कृतिक जड़ें गहरी हैं, बल्कि सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हेल्थ वर्करों को यह पूछना और रिकॉर्ड करना चाहिए कि गर्भवती महिलाएं कौन-से इलाज अपना रही हैं। परिवारों को गर्भावस्था के दौरान बिना जांचे-परखे हर्बल दवाओं के खतरों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। डॉक्टरों को गर्भावस्था की जटिलताओं का इलाज करते समय हर्बल दवाओं से होने वाले जहरीले असर (टॉक्सिसिटी) पर विचार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अलावा सरकार गर्भवती महिलाओं के लिए बेची जाने वाली आयुर्वेदिक दवाओं को रेगुलेट कर सकती है और उनकी गुणवत्ता तथा सुरक्षा की नियमित जांच सुनिश्चित कर सकती है।

जीवन में गुरु की आवश्यकता

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

एक बल्ब के भीतर तंतु (फिलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। उसी प्रकार एक कली में पुष्प बनने की समस्त संभावनाएं निहित रहती हैं, किंतु उसके प्रस्फुटित होने के लिए थोड़ी सी देखभाल, जल, सूर्य का प्रकाश और अनुकूल वातावरण अपेक्षित होता है। ठीक इसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य अपने भीतर असीम सामर्थ्य और अनंत संभावनाएं संजोए हुए है। उचित मार्गदर्शन और अनुकूल वातावरण उस अंतर्निहित शक्ति को जाग्रत कर देते है, जो पहले से ही उसके भीतर विद्यमान है।

विद्युत के बिना बल्ब का अपना कोई महत्त्व नहीं रह जाता। उसका बाहरी आकार मात्र एक आवरण है, वास्तविक तत्त्व तो उसके भीतर प्रवाहित होने वाली विद्युत है। उसी प्रकार तुम भी केवल बाह्य आकार नहीं हो। तुम्हें यह अनुभूति करनी है कि तुम्हारा वास्तविक स्वरूप वही चेतना है, वही दिव्य ऊर्जा है। जिस ज्ञान की तुम खोज कर रहे हो, वह पहले से ही तुम्हारे भीतर विद्यमान है। गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्त्व कितना अधिक होगा। गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुंचना भी सहज नहीं होता। क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सांदीपनि का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि वशिष्ठ से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया।

जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सामान्य मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है। यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है।

आपके पत्र

शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलावों की जरूरत

पेपर लीक विरोधी संशोधन विधेयक का लोकसभा से पारित होना देश के करोड़ों युवाओं के लिए राहत की खबर है। राज्यसभा से भी इसके पारित होने की पूरी संभावना है। यह कानून पेपर लीक कराने वाले गिरोहों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त करेगा, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि केवल कड़े कानून किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होते। जब तक शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार नहीं होंगे, तब तक पेपर लीक माफिया नए रास्ते खोजते रहेंगे। आज देश में लगभग हर बड़ी भर्ती या प्रवेश परीक्षा किसी न किसी विवाद का सामना कर चुकी है।

पेपर लीक के कारण लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों की वर्षों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। परीक्षा रद्द होने से सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है, जबकि युवाओं में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है।

आर्यन वर्मा,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

राजमहल विधायक ने विधायक निधि से कराएं काली मंदिर का सौंदर्यीकरण

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधायक निधि योजना से राजमहल प्रखंड के कसवा पंचायत अंतर्गत इंग्लिश गांव में काली मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य कराएं।जिसका उद्घाटन सोमवार को विधायक ने फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया गया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू,प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, प्रखंड सचिव दुर्गा मंडल,कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष देवेन्द्र ठाकुर,सुभाष दास, अजय दास,विकास यादव,गोपाल मंडल,सेंटू यादव सहित अन्य मौजूद थे।

दो भाइयों के बीच मारपीट, नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के पुरानी साहिबगंज मोहल्ले में दो भाइयों के बीच आपसी विवाद मारपीट में बदल गया घटना में दीनानाथ मंडल घायल हो गए। आरोप है कि उनके भाई मुकेश कुमार ने उनके साथ मारपीट की घटना के बाद दीनानाथ मंडल ने नगर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उनके बयान के आधार पर कांड संख्या 136/26 दर्ज कर लिया है।नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल चोरी के आरोप में गिरफ्तार

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के कुलीपाड़ा रोड़ निवासी टार्जन मोबाइल दुकान के मालिक टार्जन को पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोप में शनिवार की शाम हिरासत में लिया था। मोबाइल चोरी के मामले में जिरवाबाड़ी पुलिस उससे पुछताछ के बाद छोड़ दिया। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है टार्जन सेकंड हैंड मोबाइल की खरीद बिक्री का काम करता है उसके यहां से एक चोरी का मोबाइल की खरीदारी हुई थी पुलिस ने जांच के क्रम में चोरी हुए मोबाइल का लोकेशन के आधार पर छापेमारी की और मोबाइल को जब्त करते हुए टार्जन को हिरासत में ले लिया। लेकिन पुलिस ने देर रात उसे छोड़ दिया।

तीनों अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि थाना क्षेत्र के खसपुरा गांव में छापेमारी अभियान चलाया गया। जहां कांड संख्या 275/26 के प्राथमिकी अभियुक्त इसराइल शेख को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 109(1) एवं 85 के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा जीआर-473/22 के तहत निर्गत गैर-जमानती वारंट के आलोक में पुलिस ने दो वारंटियों निमाई मंडल, और प्रतिमा देवी दोनों को मनिहारी टोला कटहलबाड़ी से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पांच अगस्त को साहिबगंज महाविद्यालय से छात्र आक्रोश रैली

साहिबगंज : महाविद्यालय के आदिवासी कल्याण छात्रावास में रविवार को छात्र नायक अमित हांसदा के नेतृत्व में बैठक आहूत की गई।जिसमें छात्रावास के दर्जनों छात्र भाग लिया।बैठक में निर्णय लिया कि जेपीएससी जेएसएससी परीक्षा में हो रहे धांधली के विरोध में पांच अगस्त को साहिबगंज महाविद्यालय से छात्र आक्रोश रैली निकाला जाएगा।जो स्टेशन रोड,सब्जी मंडी,पश्चिम फाटक होते हुए संग्रहालय पहुंचकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेंगे।इस मौके पर छात्र नायक अमित हांसदा,अंबेडकर छात्रावास प्रभारी छात्र नायक सोनू रजक,पूर्व छात्र नायक मनोहर टुडू,सुमन कुमार बाबूधन,रितेश मंडल सहित छात्र मौजूद थे।

साहिबगंज में चार अगस्त को सरकार के विरोध में धरना प्रदर्शन

साहिबगंज : तीनपहाड़ श्रम कल्याण भवन बाबूपुर साहेबगंज के मीटिंग हॉल में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के अध्यक्ष जयराम कुमार महतो के निदेर्शानुसार जिला,प्रखण्ड, पंचायत स्तरीय समिति के द्वारा जेपीएससी और जेएस एससी की परीक्षाओं में हो रही धांधली व अनियमितताओं को लेकर जिला मुख्यालय साहिबगंज में 4 अगस्त को सरकार के विरोध में धरना प्रदर्शन की सफलता को लेकर बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अर्जुन कुमार महतो ने की।बैठक में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश महतो, उपाध्यक्ष विपिन कुमार पंकज, प्रीतम कुमार पीयूष,बरहेट विधानसभा के पुर्व प्रत्याशी थॉमस सोरेन,राजमहल के पुर्व प्रत्याशी मोतीलाल सरकार,जिला महासचिव नारायण महतो,शिव शंकर महतो, कोषाध्यक्ष विशु कर्मकार जिला सचिव रविन्द्र महतो,एसटी मोर्चा का जिला अध्यक्ष राजेंद्र पहाड़िया, प्रखण्ड अध्यक्ष प्रकाश कुमार महतो, रितिक यादव,सुनील कुमार मिश्रा,ज्ञानदेव मंडल सहित पार्टी के प्रभारियों एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा और रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव तथा प्रबंधन का गहन जायजा लिया।उपायुक्त ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों व सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा और रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था और अन्य सुरक्षा मानकों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान करने तथा सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया के लिए ईवीएम व वीवीपैट मशीनों की सुरक्षित अभिरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है।इस अवसर पर अपर समाहर्ता विजय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित अग्निशमन

जनगणना के सफल क्रियान्वयन व प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेंडर जारी

चार अगस्त से आठ अगस्त तक डीपीआरसी साहिबगंज में 374 क्षेत्र कर्मियों दिया जाएगा प्रशिक्षण

संवाददाता

साहिबगंज : जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन साहिबगंज द्वारा जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के कार्य हेतु नामित क्षेत्र कर्मियों एवं चार्ज पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।जनगणना कार्य देश की विकास योजनाओं संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा सटीक नीति निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। इसी उद्देश्य से सभी संबंधित अधिकारियों एवं क्षेत्र कर्मियों को प्रशिक्षण के माध्यम से जनगणना की प्रक्रियाओं, प्रपत्रों के सही संधारण डिजिटल प्रणाली के उपयोग तथा मैदानी कार्यों की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम 04 अगस्त 2026 से 08 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक डीपीआरसी, साहिबगंज में आयोजित होगा।प्रशिक्षण का विस्तृत कार्यक्रम इस प्रकार है। प्रथम बैच 4 अगस्त सभी चार्ज पदाधिकारी 12,तालझारी के क्षेत्र कर्मी 55, कुल प्रतिभागी 67, द्वितीय बैच 5 अगस्त बरहेट के क्षेत्र कर्मी 72,कुल प्रतिभागी 72,तृतीय बैच 6 अगस्त बोरियो के क्षेत्र कर्मी 33,राजमहल के क्षेत्र कर्मी 39,कुल प्रतिभागी 72,चतुर्थ बैच 7 अगस्त पतना क्षेत्र कर्मी 54,उधवा के क्षेत्र कर्मी 26,कुल प्रतिभागी 80, पंचम बैच 8अगस्त
मंडरो के क्षेत्र कर्मी 45,बरहरवा के क्षेत्र कर्मी 25,
साहिबगंज के क्षेत्र कर्मी 10नगर परिषदसाहिबगंज 1
नगर पंचायत, राजमहल 1,नगर पंचायत, बरहरवा 1
कुल प्रतिभागी 83,जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित चार्ज पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ क्षेत्र कर्मियों की प्रशिक्षण में समय पर एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप, त्रुटिरहित एवं समयबद्ध रूप से संपादित किया जा सके।जिला प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाने तथा जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य को पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपादित करने का आह्वान किया है।

नशा युवाओं की प्रतिभा और भविष्य दोनों को प्रभावित करता है : सुबोध

संवाददाता

साहिबगंज : मेरा युवा भारत साहिबगंज के तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालय साहिबगंज में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं व विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करते हुए विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य श्री आलोक कुमार व सुबोध कुमार झा थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सौरभ पाण्डेय, जिला युवा अधिकारी मेरा युवा भारत साहिबगंज उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि नशा युवाओं की प्रतिभा और भविष्य दोनों को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशामुक्त जीवन अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं से जुड़े और उन्हें नशा मुक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक संबोधन को विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बड़े उत्साह के साथ सुना।इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच नृत्य भाषण एवं गायन प्रति योगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पत्नी को साथ नहीं रखने पर पति के खिलाफ प्राथमिकी निरुद्ध

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के जिरवाबाड़ी मोहल्ला की एक महिला ने अपने पति के विरुद्ध थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है महिला ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उसने अपनी मर्जी से एक युवक से विवाह किया था, लेकिन विवाह के बाद युवक के परिजनों ने उसे स्वीकार नहीं किया महिला का आरोप है कि उसका पति भी उसे अपने साथ रखने से इनकार कर रहा है ।इस मामले में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि महिला के बयान के आधार पर कांड संख्या 138/26 दर्ज कर लिया गया है जांच के दौरान महिला की उम्र 20 वर्ष और युवक की उम्र 17 वर्ष पाई गई युवक के नाबालिग होने के कारण उससे पूछताछ के बाद उसे विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए बाल सुधार गृह, दुमका भेज दिया गया है पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

महिला को सुरक्षित घर पहुंचाने वाले को इनाम दिया जाएगा : परिजन

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के एक महिला कांवड़िया रहस्यमय ढंग से अचानक लापता हो गई है। जानकारी के अनुसार राधानगर थाना क्षेत्र के चांदशहर गांव निवासी सुबोल रविदास की पत्नी प्रमिला रविदास बीते बुधवार को गांव के करीब नौ अन्य श्रद्धालुओं के साथ देवघर में बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण करने के लिए घर से रवाना हुई थीं। सभी श्रद्धालु पहले ऑटो से तीनपहाड़ पहुंचे, जहां से ट्रेन के माध्यम से बिहार के सुल्तानगंज पहुंचे। सुल्तानगंज में उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल भरने के बाद पूरा जत्था पैदल देवघर के लिए रवाना हुआ। बताया गया कि बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सफलतापूर्वक जलार्पण करने के बाद अचानक प्रमिला रविदास अपने साथियों से बिछड़ गईं। काफी देर तक उनके वापस नहीं आने पर साथियों ने मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की लेकिन उनका कहीं कोई पता नहीं चल सका। महिला का कोई सुराग नहीं मिलने पर साथ गए श्रद्धालुओं ने तत्काल देवघर स्थित सहायता केंद्र में पहुंचकर उनके लापता होने की सूचना दर्ज कराई। इसके बाद घटना की जानकारी परिजनों को भी दी गई। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्यों की चिंता बढ़ गई है और वे लगातार महिला की तलाश में जुटे हुए हैं। परिजनों ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को प्रमिला रविदास के संबंध में कोई भी जानकारी मिले या वे सुरक्षित मिलें तो तत्काल मोबाइल नंबर 9693515843 अथवा 7542922781 पर सूचना दें। परिजनों ने बताया कि सही सूचना देकर महिला को सुरक्षित घर पहुंचाने वाले व्यक्ति को उचित इनाम दिया जाएगा।

जनकल्याणकारी योजना की जानकारी ग्रामीणों को दे : अनुराग

संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड स्थित बड़ी कोदर्जना हाजीपुर पूरब शक्ति केंद्र मे भाजपा ग्रामीण मंडल की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल की अध्यक्षता में हुई।इस बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप मे मंडल प्रभारी गरिमा साह मुख्य रूप से मौजूद थी।बैठक को सम्बोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने कहा कि कार्यकता ही संगठन की पूंजी है।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडल पदाधिकारी और कार्यकताओं से आग्रह किया कि जनता की समस्या को सुनकर उसका समाधान करे।साथ ही केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजना की जानकारी ग्रामीणों को दे।ताकि ग्रामीण उसका लाभ ले सके।वही मंडल प्रभारी गरिमा साह ने कहा की कार्यकता ही संगठन का रीढ़ है शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती प्रदान करे,मौके पर पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अरविंद गुप्ता,प्रखंड उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी,पवन यादव,कोषाध्यक्ष गोपाल शाह,मंत्री शंभू रजक,मुरारी चौधरी,एससी मोर्चा का अध्यक्ष यशवंत पासवान,विकास यादव,लाल कुमार,सियाराम सिंह, नेपाली मंडल,कन्हाई मंडल,मंटू मंडल,कुंदन मंडल सहित मंडल अधिकारी,बूथ एवं अध्यक्ष कार्यकर्ता शामिल हुए।

नशीले पदार्थों का कारोबार युवाओं का भविष्य कर रहा बर्बाद : स्थानीय लोग

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 1.90 ग्राम एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के निमाई टोला निवासी अबु समा उर्फ गणेश शेख के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अकुनबनना गांव के समीप एक युवक प्रतिबंधित मादक पदार्थ एमडीएमए की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी कर संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.90 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया। इसके बाद आरोपी को थाना लाकर मादक पदार्थ के स्रोत से जुड़े गहन पूछताछ की गई। थाना प्रभारी के लिखित बयान पर राधानगर थाना कांड संख्या 277/26 के तहत एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 21 एवं 27 में प्राथमिकी दर्ज की गई। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गौरतलब है कि राधानगर थाना पुलिस इससे पूर्व भी एमडीएमए तस्करी से जुड़े कई मामलों का खुलासा करते हुए अनेक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना क्षेत्रों में एमडीएमए सहित कई नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रही है। हालांकि पुलिस का कहना है मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा तथा आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा। छापेमारी अभियान में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज के साथ राधानगर थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' ने ओपनिंग वीकेंड पर कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़े

टॉम हॉलैंड की फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' ने ओपनिंग वीकेंड पर कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। फिल्म ने दुनियाभर में 927 मिलियन डॉलर ($927ट) का छप्परफाड़ कलेक्शन किया है। भारत में भी इस फिल्म ने सिर्फ 4 दिनों में 256 करोड़ से ज्यादा का नेट बिजनेस कर इतिहास रच दिया है।

मार्वल सिनेमा की नई फिल्म स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर वो कर दिखाया, जिसकी उम्मीद बड़े-बड़े जानकारों को भी नहीं थी। अपने पहले ही वीकेंड (31 जुलाई से 2 अगस्त) में इस फिल्म ने दुनिया भर में कमाई की ऐसी सुनामी लाई कि कई सालों पुराने रिकॉर्ड ताश के पत्तों की तरह ढह गए।

टॉम हॉलैंड और जेंडया की इस फिल्म ने सिर्फ तीन दिनों में ग्लोबल लेवल पर 927 मिलियन डॉलर (लगभग 7,700 करोड़) का छप्परफाड़ कलेक्शन कर लिया है। इसके साथ ही यह सिनेमा इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी ग्लोबल ओपनिंग हासिल करने वाली फिल्म बन गई है।

अमेरिका से लेकर दुनिया भर में स्पाइडर-मैन का जादू, अवेंजर्स को दी कड़ी टक्करः फिल्म ने अमेरिका (डोमेस्टिक मार्केट) में 4,487 थिएटरों से करीब 355 मिलियन डॉलर का कलेक्शन किया। पहले ही दिन (शुक्रवार को) फिल्म ने 168 मिलियन डॉलर कमाकर एक नया इतिहास रच दिया। फिल्म अमेरिका में सबसे बड़ी वीकेंड ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाने से बाल-बाल चूक गई, जो अभी भी अवेंजर्सः एंडगेम ($357 मिलियन) के नाम दर्ज है।

लेकिन ओवरसीज यानी बाकी दुनिया के देशों की बात करें तो विदेशी बाजारों से फिल्म को 573 मिलियन डॉलर की भारी-भरकम कमाई हुई है। अगर ग्लोबल लेवल पर देखें तो इस फिल्म ने अवेंजर्सः इन्फिनिटी वॉर ($640।5 मिलियन) और अपनी ही पिछली ब्लॉकबस्टर स्पाइडर-मैनः नो वे होम ($600।5 मिलियन) को काफी पीछे छोड़ दिया है।

भारत में भी चला टॉम हॉलैंड का सिक्का, 4 दिनों में 250 करोड़ पारः भारत में भी स्पाइडर-मैन का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। भारत में 4 दिनों के लंबे वीकेंड के दौरान फिल्म ने 256।20 करोड़ नेट (ग्रॉस कमाई 306।37 करोड़) का रिकॉर्डतोड़ बिजनेस किया है।

हैरानी की बात यह है कि फिल्म ने शुरूआत के सिर्फ दो दिनों में ही भारत में 109 करोड़ नेट कमा लिए थे। मल्टीप्लेक्स से लेकर सिंगल स्क्रीन तक, हर तरफ सिनेमाघरों के बाहर हाउसफुल के बोर्ड टंगे नजर आ रहे हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर कोई अपने पसंदीदा सुपरहीरो को देखने सिनेमाघर पहुँच रहा है।

इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंगः दुनिया भर में सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड अभी भी अवेंजर्सः एंडगेम ($1।22 बिलियन) के नाम है, और अब दूसरे नंबर पर स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे आ चुकी है।

कुल मिलाकर, स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे का यह तो बस पहला वीकेंड था। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में यह फिल्म कमाई के और कौन-कौन से नए रिकॉर्ड तोड़ती है।

दीया मिर्जा ने बताया क्यों कर रही हैं फिल्मों में छोटे रोल; बोलीं- पांच साल में युवा और अनुभवहीन थी

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने एक लंबे ब्रेक के बाद वापसी की थी। साल 2026 में उनकी तीसरा प्रोजेक्ट सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी जल्द रिलीज होगी। एक बातचीत के दौरान दिया ने अपने अभिनय के उतार चढ़ाव पर रौशनी डाली।

भूमिका की लंबाई नहीं होना चाहिए आधार : दीया मिर्जा हाल ही में फिल्म इक्का और अल्फा में नजर आई थीं। दोनों ही फिल्मों मे एक्ट्रेस का रोल काफी कम वक्त का था। उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा करते हुए कहा, किसी कहानी का हिस्सा बनने के लिए समय निकालने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए। कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है।

सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में भी छोटा होगा किरदारः अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, अपने करियर के पहले पांच साल में, मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिया हो क्योंकि उनमें भूमिकाएं कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया। बताते चलें कि दिया मिर्जा फिल्म में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं।

रिलीज से पहले श्री रामलीला महासंघ की 'रामायण' को देखने की मांग, मेकर्स को दी चेतावनी

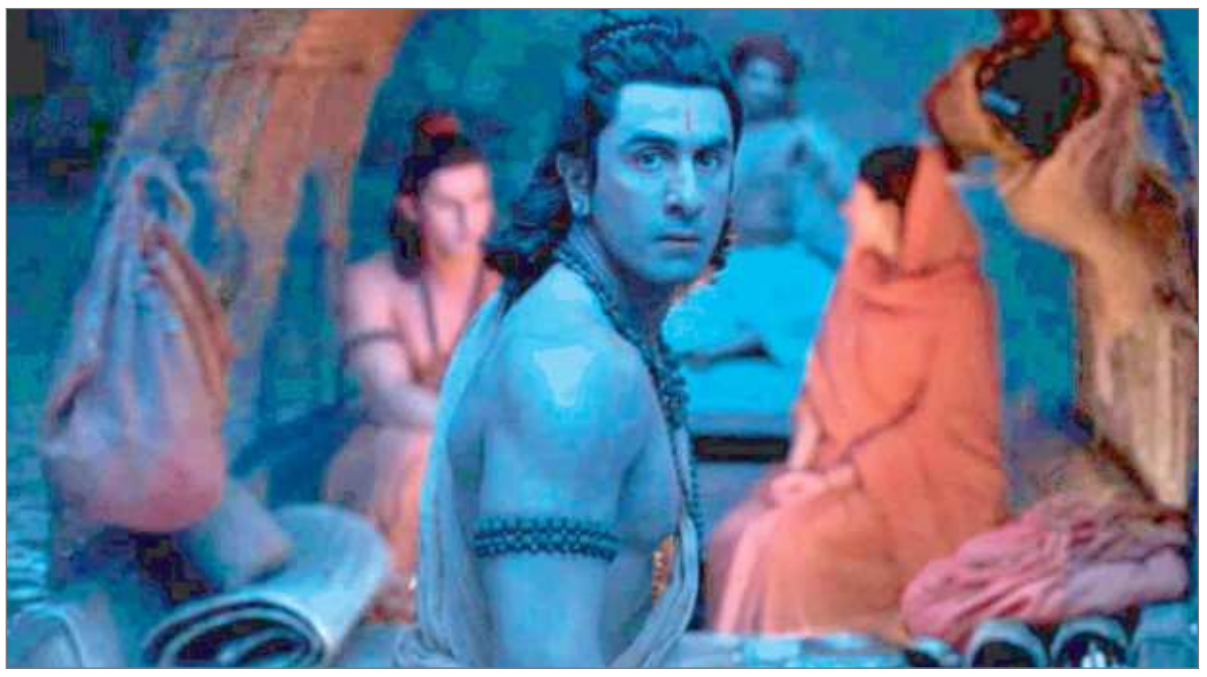

श्री रामलीला महासंघ के प्रेसिडेंट अर्जुन कुमार ने इस दिवाली पर देश विदेश में रिलीज हो रही रणबीर कपूर, सनी देओल यश स्टारर डायरेक्टर नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म रामायण के मेकर्स को एक पत्र लिखकर मांग की है कि फिल्म को सिनेमा घरों में रिलीज करने से पूर्व यह फिल्म श्री रामलीला महासंघ के प्रतिनिधि मंडल को दिखाई जाएं।

नितेश तिवारी और फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी को लिखे पत्र में अर्जुन कुमार ने उन्हें याद दिलाया है कि इससे पहले भूषण कुमार की मेगा बजट प्रभास, सैफ अली खान स्टारर फिल्म आदिपुरुष के भी कई सीन पर सनातनी और रामलीला मंचन से जुडे लोगों ने कड़ा एतराज जताया था।

इन सीन में सोने की लंका को काला दिखाना, महाज्ञानी रावण को मंगोल लुटेरों और उनकी सेना को राक्षसों की सेना आदि कई सीन थे। जिसका नतीजा बॉक्स आफिस पर फिल्म फ्लाप रही। अर्जुन कुमार ने पत्र में आगे कहा है कि हमें मिली जानकारी के अनुसार इस फिल्म में ऐसे कई सीन है, जो देश विदेश में बसे हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते है।

ऐसे में श्री रामलीला महासंघ इस फिल्म को रिलीज से पहले स्पेशल स्क्रीनिंग में देखकर निश्चित करना चाहता है कि अगर फिल्म में ऐसा कोई विवादास्पद सीन और संवाद है तो उसे रिलीज से पहले हटा दिया जाए। उन्होंने फिल्म के मेकर्स को चेतावनी दी है कि अगर ऐसा ना किया गया तो दिल्ली सहित अन्य राज्यों के उन सिनेमाघरों के बाहर हिंदू संगठनों के साथ श्री रामलीला महासंघ के हजारों की संख्या में विरोध व धरना प्रदर्शन करेंगे।

यह पत्र रामायण पर बनती फिल्मों के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता और दर्शकों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक सटीकता की अपेक्षाओं को दिखाना है। ये चिंताएं ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष से जुड़े विवाद से पैदा हुई हैं, जिसे अपने डायलॉग्स और देवी-देवताओं के लिए मॉडर्न कॉस्ट्यूम को लेकर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

रामायणः पार्ट 1 में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण का किरदार निभाने जा रहे हैं। फिल्म का संगीत हंस जिमर और एआर रहमान ने तैयार किया है। बता दें, रावण के रूप में यश के अभिनय की खूब चर्चा हो रही है।

फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म की दिवाली 2026 रिलीज से पहले अभिनेता सनी देओल के भगवान हनुमान के रूप में नजर आने की जानकारी को अभी तक सीक्रेट रखा हुआ है। फिल्म का सीक्वल दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

संतोष की एक गलतफहमी से पूरे चौहान परिवार में मचा बवाल, क्या खुलेगा चंद्रिका का राज?

टीवी दुनिया के फेमस शो वसुधा में इन दिनों हर गुजरते दिन के साथ ड्रामा और सस्पेंस बढ़ता ही जा रहा है। अगर आप सोच रहे थे कि चौहान परिवार में अब सब कुछ ठीक होने वाला है, तो ठहर जाइए, आने वाला एपिसोड आपके लिए एक बड़ा झटका लेकर आने वाला है।

शो में एक ऐसी अनहोनी या कहें कि ऐसी गलतफहमी होने वाली है, जिसने पूरे घर की हवा ही बदल दी है। जिस खबर को सुनकर पूरे घर में जश्न का माहौल बन जाता है, उसी खबर के पीछे का सच जानकर वसुधा और चंद्रिका के पसीने छूट गए हैं। चलिए आपको बताते हैं कि आखिर आने वाले एपिसोड में कौन सा बड़ा हंगामा होने वाला है।

सावित्री ने दी वसुधा को खुशखबरी, सुनते ही वसुधा के उड़े होशः कहानी में नया मोड़ तब आता है जब हनुमंत पूरे एक्साइटमेंट के साथ सावित्री के पास जाता है और उसे एक ऐसी खबर सुनाता है जिसे सुनकर हर किसी का चेहरा खिल उठता है। हनुमंत को लगता है कि वसुधा जल्द ही माँ बनने वाली है और उनके घर में नन्हा मेहमान आने वाला है। यह सुनते ही सावित्री की खुशी का ठिकाना नहीं रहता। वह बिना एक पल गंवाए सीधे वसुधा के पास पहुँच जाती है और उसे बड़े प्यार से गले लगाकर बधाई देती है।

सावित्री बहुत ही इमोशनल होकर वसुधा से कहती है- तुझे अपना ख्याल तो रखना ही है, लेकिन उससे भी ज्यादा ध्यान उस नन्ही सी जान का रखना है जो तेरे अंदर साँसे ले रही है। सावित्री की ये बातें सुनकर वसुधा पूरी तरह सन्न रह जाती है। उसे समझ ही नहीं आता कि आखिर घर वाले किस बारे में बात कर रहे हैं और यह बधाई किस बात की दी जा रही है। जब वसुधा खुलकर पूछती है, तब सावित्री बताती है कि संतोष ने हनुमंत को यह खुशखबरी दी है कि वसुधा प्रेग्नेंट है।

संतोष की एक भूल और चौहान परिवार में जश्न का माहौलः दरअसल, पूरी मुसीबत की जड़ संतोष की वह गलतफहमी है, जो उसने बिना सच जाने पूरे घर में फैला दी। संतोष को किसी बात से यह गलत अहसास हुआ कि वसुधा गर्भवती है। उसने बिना वसुधा से पूछे ही यह बात हनुमंत को बता दी। हनुमंत ने खुशी-खुशी यह बात सावित्री तक पहुँचा दी और देखते ही देखते यह खबर पूरे परिवार में फैल गई।

हर कोई इस झूठी खबर को सच मानकर खुशियाँ मनाने लगा है। लेकिन वसुधा के लिए यह खबर किसी बड़े झटके से कम नहीं है। उसे अहसास होता है कि अगर इस गलतफहमी को तुरंत दूर नहीं किया गया, तो बात बहुत आगे बढ़ जाएगी। वसुधा अच्छी तरह जानती है कि जब इस सच से पर्दा उठेगा तो परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ेगा, खासकर तब जब संतोष अभी-अभी अपनी सर्जरी से उभर रही है और घर का माहौल काफी नाजुक है।

चंद्रिका के पास पहुँची वसुधा, क्या सच आने से मचेगा नया तूफान? : परिस्थिति की गंभीरता को समझते हुए वसुधा बिना देर किए चंद्रिका के पास दौड़ती हुई जाती है। वसुधा बेहद घबराई हुई हालत में चंद्रिका को पूरी बात बताती है कि कैसे संतोष की एक गलतफहमी ने पूरे घर में यह खबर फैला दी है कि वह माँ बनने वाली है। वसुधा की बातें सुनकर चंद्रिका के भी होश उड़ जाते हैं।

चंद्रिका को तुरंत इस बात का अहसास हो जाता है कि यह केवल एक छोटी सी गलतफहमी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा बवंडर है जो चौहान परिवार के कई छिपे हुए राज और दूरियों को सबके सामने ला सकता है। अब चंद्रिका और वसुधा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे इस बहकावे को कैसे खत्म करें? क्या वो पूरे परिवार को सच बता पाएँगी या फिर संतोष की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें इस झूठी खुशी का नाटक जारी रखना पड़ेगा? आने वाले एपिसोड्स में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि यह गलतफहमी चौहान परिवार के रिश्तों को किस मोड़ पर लाकर खड़ा करती है।

'बंटवारा 1947' के प्रमोशन की बिहार से शुरूआत...' बेटे करण देओल संग पटना पहुंचे सनी देओल

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल रविवार को अपने बेटे और अभिनेता करण देओल के साथ फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया। यहां पत्रकारों से बातचीत में सनी देओल ने कहा कि उनकी पूरी टीम फिल्म के प्रचार-प्रसार के लिए देशभर का दौरा करेगी, लेकिन इसकी शुरूआत बिहार से की गई है।

'प्रमोशन की शुरूआत बिहार से करना चाहते थे' : सनी देओल ने कहा कि वह पहली बार बिहार आए हैं और उनकी इच्छा थी कि फिल्म के प्रचार अभियान की शुरूआत इसी राज्य से हो। उन्होंने कहा, हम पूरे हिंदुस्तान में इस फिल्म का प्रमोशन करेंगे, लेकिन सबसे पहले बिहार आए हैं। सोचा था कि जब फिल्म का प्रचार शुरू होगा तो इसकी शुरूआत बिहार से ही करेंगे। उनके साथ करण देओल भी मौजूद रहे।

ताज होटल में आयोजित हुआ प्रमोशनल कार्यक्रम : पटना एयरपोर्ट से निकलने के बाद सनी देओल और करण देओल सीधे शहर के ताज होटल पहुंचे, जहां फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की गई और मीडिया से बातचीत की गई।

देश के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है फिल्म : बताया जा रहा है कि 'बंटवारा 1947' देश के विभाजन और उससे जुड़े घटनाक्रम की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म है। फिल्म में आजादी के समय हुए बंटवारे के मानवीय, सामाजिक और ऐतिहासिक पहलुओं को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया गया है।

फिल्म पर क्या बोले सनी देवल? : जब पत्रकारों ने सनी देओल से फिल्म की कहानी के बारे में सवाल किया तो उन्होंने विस्तृत टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा, फिल्म कैसी है, यह दर्शक ही बताएंगे। जब लोग इसे देखेंगे, तभी इसकी असली प्रतिक्रिया सामने आएगी।

देशभर में चलेगा प्रमोशन अभियान : सनी देओल ने स्पष्ट किया कि पटना से शुरूआत करने के बाद फिल्म की टीम देश के विभिन्न शहरों में जाकर प्रचार करेगी। उनका कहना था कि दर्शकों तक फिल्म का संदेश पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रमोशनल अभियान चलाया जाएगा।

रिलीज पर टिकीं निगाहें : बड़े बैनर के तहत बनी 'बंटवारा 1947' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। अब सभी की नजर फिल्म की रिलीज और बॉक्स ऑफिस पर उसके प्रदर्शन पर रहेगी। वहीं, बिहार से प्रचार अभियान की शुरूआत कर फिल्म की टीम ने राज्य के दर्शकों को विशेष महत्व देने का संदेश भी दिया।

पीएम मोदी ने की भारतीय खिलाड़ियों की सराहना खेल मंत्री बोले- 39 पदक ऐतिहासिक उपलब्धि

ग्लास्गो : ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के शानदार प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय दल को बधाई दी है। भारत ने इस बार 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य समेत कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। दोनों नेताओं ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भारतीय खेलों की बढ़ती ताकत का प्रतीक बताया।

पीएम मोदी खिलाड़ियों के लिए क्या बोले? : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय दल की सराहना करते हुए लिखा, 'ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है। भारत ने 13 स्वर्ण सहित कुल 39 पदक जीते हैं। सभी पदक विजेताओं को हार्दिक बधाई। पूरे खेलों के दौरान हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और समर्पण का परिचय दिया। उनकी मेहनत देश के युवाओं को लगातार प्रेरित करती रहेगी।'

प्रधानमंत्री ने भारतीय दल के आगामी अभियानों के लिए भी शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'पूरे भारतीय दल को भविष्य की चुनौतियों के लिए मेरी शुभकामनाएं। वे इसी तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहें और देश का गौरव बढ़ाते रहें।'

मांडविया ने बताया भारत की खेल ताकत का प्रमाणः केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि सीमित खेलों के बावजूद भारत का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने कहा, 'भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 का समापन शानदार चौथे स्थान के साथ किया। ग्लास्गो 2026 में कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे, जिनमें भारत पारंपरिक रूप से सबसे अधिक पदक जीतता है। इसके बावजूद टीम इंडिया ने बर्मिंघम 2022 के समान खेलों में जीते गए 30 पदकों की तुलना में इस बार 39 पदक हासिल किए।'

मांडविया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय खेलों की गहराई और मजबूती साफ दिखाई दे रही है। तिरंगे के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाले हर खिलाड़ी, कोच और सपोर्ट स्टाफ पर हमें गर्व है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की विदाई बनी यादगार

मानुषी और भारतीय लोक संस्कृति ने जीता दिल

ग्लास्गो : राष्ट्रमंडल खेल 2026 के समापन समारोह में भारत ने अपनी समृद्ध संस्कृति, संगीत और परंपरा की ऐसी झलक पेश की कि ग्लास्गो का पूरा ओवीओ हाइड्रो एरीना तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर, प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन, गायिका भूमि त्रिवेदी और संगीतकार ऋषभ शर्मा की प्रस्तुति ने न सिर्फ भारतीय प्रशंसकों बल्कि विदेशी दर्शकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई सिंगर-सॉन्गराइटर डेल्टा गुड्रम ने गायक कैमी बार्न्स के साथ मिलकर भी समां बांधा। इसी के साथ भारत ने आधिकारिक रूप से अहमदाबाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की उलटी गिनती भी शुरू कर दी।

मानुषी छिल्लर बनीं भारतीय प्रस्तुति का चेहराः समापन समारोह में राष्ट्रमंडल खेलों का ध्वज गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को सौंपे जाने के बाद पूरा मंच भारत के नाम हो गया। करीब 18 मिनट 27 सेकेंड की प्रस्तुति में मानुषी छिल्लर भारतीय संस्कृति और आधुनिक भारत की पहचान के प्रतीक के रूप में नजर आईं। उनकी मौजूदगी ने अहमदाबाद 2030 के सांस्कृतिक अभियान को वैश्विक मंच पर अलग पहचान दी।

'वंदे मातरम्' से शुरू हुई सांस्कृतिक यात्राः भारतीय प्रस्तुति की शुरूआत 'भारत, जहां खेल जीवन का हिस्सा हैं' संदेश के साथ हुई। इसके बाद 'वंदे मातरम', 'शिव स्तोत्र' और 'सुनो गौर से दुनिया वालों' जैसे गीतों की गूंज पूरे स्टेडियम में सुनाई दी। हजारों भारतीय प्रशंसक तिरंगा लहराते हुए झूम उठे, जबकि विदेशी दर्शक भी भारतीय संगीत और नृत्य की ताल पर थिरकते नजर आए। कार्यक्रम में 'वसुधैव कुटुंबकम' की थीम के जरिए भारत ने शांति, एकता और समावेशिता का संदेश दिया। पारंपरिक भारतीय नृत्य, रंग-बिरंगी वेशभूषा और आधुनिक तकनीक के मेल ने प्रस्तुति को यादगार बना दिया।

भारतीय और स्कॉटिश संगीत का अनोखा संगमः समारोह के दौरान भारतीय संगीतकार ऋषभ शर्मा और स्कॉटलैंड के कलाकार रॉस एन्सली ने संयुक्त संगीत प्रस्तुति दी। भारतीय और स्कॉटिश संगीत का यह अनूठा संगम ग्लास्गो से अहमदाबाद तक राष्ट्रमंडल खेलों की यात्रा का प्रतीक बना।

शंकर महादेवन की प्रस्तुति पर झूम उठा स्टेडियमः समापन प्रस्तुति का सबसे आकर्षक क्षण तब आया जब शंकर महादेवन, भूमि त्रिवेदी और ऋषभ शर्मा ने मंच संभाला। भारतीय संगीत की धुनों पर पूरा स्टेडियम तालियां बजाता और झूमता नजर आया। इस प्रस्तुति ने दुनिया को यह संदेश दिया कि अहमदाबाद 2030 केवल खेलों का आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का भी भव्य उत्सव होगा।

अहमदाबाद 2030 की औपचारिक शुरूआतः समारोह के दौरान राष्ट्रमंडल खेलों का ध्वज औपचारिक रूप से भारत को सौंपा गया। इसके साथ ही अहमदाबाद 2030 की मेजबानी का सफर शुरू हो गया। यह संस्करण राष्ट्रमंडल खेलों का 100वां वर्ष होगा और भारत ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा ऐसा देश बनेगा, जो दूसरी बार इन खेलों की मेजबानी करेगा। भारत की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने यह स्पष्ट कर दिया कि 2030 में अहमदाबाद दुनिया को केवल खेल ही नहीं, बल्कि भारतीय विरासत, परंपरा और मेहमाननवाजी का भी भव्य अनुभव देने के लिए तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली के स्कूलों को फिर मिली बम की धमकी, पुलिस ने खाली कराया परिसर, शुरू की तलाशी

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में एक बार फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस महकमे में खलबली मची हुई है। पुलिस, दमकल विभाग और बम निरोधक दस्ते तुरंत मौके पर पहुंचे और गहन तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस का कहना है कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है और परिसर की गहन जांच की जा रही है। अब तक किसी भी स्कूल में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस के अनुसार, अलग-अलग स्कूलों को धमकी भरे संदेश मिले, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की टीमों के साथ दमकल विभाग और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंच गए और स्कूल परिसरों की गहन तलाशी शुरू की गई। जांच में अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए। इन धमकियों के कारण स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां इन धमकियों की गंभीरता से जांच कर रही हैं। हाल ही में दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न स्कूलों को ऐसे ईमेल प्राप्त हुए जिनमें उन्हें बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। दिल्ली पुलिस इस मामले की तह तक जाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। प्राप्त ईमेल की तकनीकी जांच की जा रही है ताकि धमकी के स्रोत का पता लगाया जा सके।

17 की उम्र में खड़ी की कंपनी, अब चायवालाज के फाउंडर ने की आत्महत्या

दौसा : राजस्थान के दौसा से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है। महज 17 साल की उम्र में अपने बिजनेस का लोहा मनवाने वाले मशहूर स्टार्टअप चायवालाज के फाउंडर रोहित शर्मा ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। कुछ समय पहले ही अपना सारा चमकता कारोबार बंद कर आध्यात्म की राह पर चलने वाले रोहित ने अचानक इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, यह सवाल अब हर किसी के जहन में घूम रहा है और पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

बंद कमरे में फंदे से लटकता मिला शव, परिवार में मचा कोहराम: पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 30 वर्षीय रोहित शर्मा दौसा की साकेत कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहते थे। शनिवार दोपहर को जब काफी देर तक उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। घबराए परिजनों ने जब दरवाजा तोड़ा, तो अंदर का खौफनाक नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। रोहित फंदे से लटके हुए थे। आनन-फानन में उन्हें उतारकर तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाली थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है, हालांकि आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

छोटी सी उम्र में भरी थी उड़ान, 7 शहरों में फैला था कारोबारः रोहित शर्मा की सफलता की कहानी कई युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा रही है। उन्होंने अपनी नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान ही सफलता के सपने बुनने शुरू कर दिए थे और महज 17 साल की उम्र में राजधानी जयपुर से अपने उद्यम की शुरूआत की थी। रोहित ने जयपुर के मानसरोवर स्थित शिप्रा पथ पर अपना पहला टी-कैफे खोला था। अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने इस वेंचर का विस्तार किया और देश के अलग-अलग शहरों में ह्यचायवालाजह्न के सात बड़े आउटलेट स्थापित कर दिए। व्यापार के अलावा रोहित दौसा में सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनके पिता हितेंद्र मोहन शर्मा एक मेडिकल स्टोर चलाते हैं, जबकि पत्नी एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। इस दुखद घटना के बाद उनके 7 साल के मासूम बेटे के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया है।

6 महीने पहले अचानक सब छोड़ आध्यात्म की ओर मुड़ गए थे रोहितः इस पूरी दुखद घटना में जो बात लोगों को सबसे ज्यादा हैरान कर रही है, वह है रोहित का अचानक बदला हुआ स्वभाव। कामयाबी के शिखर को छूने वाले रोहित ने करीब छह महीने पहले अचानक अपने सभी चायवालाज आउटलेट्स को हमेशा के लिए बंद कर दिया था। इसके बाद उनका झुकाव पूरी तरह से आध्यात्म की तरफ हो गया था। परिजनों और परिचितों के अनुसार, पिछले कुछ समय से उन्हें अक्सर कई धार्मिक स्थलों पर दर्शन करते हुए देखा जाता था। उन्होंने भौतिक दुनिया से दूरी बना ली थी। अब पुलिस इस एंगल से भी मामले की जांच कर रही है कि आखिर आध्यात्म की शांति तलाश रहे रोहित की जिंदगी में ऐसा क्या तूफान आया, जिसने उन्हें मौत को गले लगाने पर मजबूर कर दिया।

सावन का पहला सोमवार

बाबा महाकाल की भस्म आरती और काशी में पुष्प वर्षा, देवघर में 100 किमी पैदल चलकर पहुंचे कांवड़िए

काशी/देवघरः सावन के पवित्र महीने के पहले सोमवार पर आज पूरे देश के शिव मंदिरों में अभूतपूर्व धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल देखा जा रहा है। भोर होते ही मंदिरों में पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। उज्जैन के महाकालेश्वर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ और देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम सहित देश के कोने-कोने में स्थित शिवालय हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठे। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर और देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम सहित कई प्रमुख तीर्थस्थलों पर भक्ति की लहर देखी गई। देश भर से आई तस्वीरों में भक्तों की भारी भीड़ को पहले सोमवार की रस्मों में भाग लेते हुए देखा गया।

महाकालेश्वर मंदिर के कपाट सुबह 2:30 बजे खुलेः सावन के पहले सोमवार को उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए भक्त रविवार देर रात से ही कतार में लगने लगे थे। मंदिर के कपाट सुबह 2:30 बजे खुले, जिसके बाद सुबह 3:00 बजे बाबा महाकाल की पवित्र भस्म आरती शुरू हुई। भस्म आरती से पहले देवता को जल से पवित्र स्नान कराया गया, जिसके बाद महा पंचामृत अभिषेक किया गया, जिसमें दूध, दही, घी, शहद और फलों का रस शामिल था। इस रस्म के बाद बाबा महाकाल को भांग और चंदन से सजाया गया और मूर्ति का सुंदर श्रृंगार किया गया। इसके बाद भक्तों के जयकारों और झांझ-मंजीरे, ढोल और शंख की ध्वनि के बीच बाबा महाकाल को पवित्र भस्म अर्पित की गई।

भक्त सावन के पहले सोमवार का बेसब्री से इंतजार करते हैं, जिसे बहुत शुभ माना जाता है, और मंदिर में सुबह से ही भक्ति, उत्साह और उत्सव का माहौल देखा गया।

काशी विश्वनाथ में फूलों से भक्तों का स्वागतः वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम में भी सावन के पहले सोमवार को भारी भीड़ देखी गई। मंदिर प्रशासन ने दूर-दूर से जलाभिषेक के लिए आए तीर्थयात्रियों और भक्तों का फूलों की वर्षा करके स्वागत किया। मंगला आरती के तुरंत बाद ही भक्त जलाभिषेक के लिए आने लगे और दोनों तरफ कतारें लग गईं। भक्त मैदागिन से चौक होते हुए, गेट नंबर 4 सिल्को गली और गेट नंबर 4-अ से मंदिर परिसर में आते रहे, जबकि गोदौलिया से धुंधिराज गेट नंबर 1 और नन्नू फरिया लेन से भी भक्त आते रहे। भीड़ को संभालने और सुरक्षा के लिए वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट पर रही।

देवघर में भक्तों की भारी भीड़ः सावन महीने के पहले सोमवार को झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ जमा हुई। सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर कांवड़िए बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करने के लिए लगभग 100 किलोमीटर पैदल चलते हैं। भीड़ को देखते हुए मंदिर और शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जलाभिषेक के लिए अतिरिक्त बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में दूधेश्वर नाथ मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। भक्त भगवान शिव को जल चढ़ा रहे हैं। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं।

पत्नी का किसी और के साथ अफेयर तो नहीं मिलेगा गुजारा भत्ता

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्त्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अगर किसी पत्नी के खिलाफ व्यभिचार (एडल्टरी) के आरोप प्रथम दृष्टया सही प्रतीत होते हैं, तो उसे अंतरिम भरण-पोषण नहीं दिया जा सकता। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बैंच ने राजस्थान हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि व्यभिचार से जुड़े मामले के अंतिम निपटारे तक पत्नी को भरण-पोषण से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अदालतों का यह मानना त्रुटिपूर्ण होगा कि ऐसे आरोप पर निर्णय केवल सुनवाई के अंतिम चरण में ही किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान बैंच ने कहा कि चूंकि, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125(4) में यह प्रावधान है कि अगर व्यभिचार का आरोप साबित हो जाता है, तो पत्नी न तो अंतरिम और न ही अंतिम गुजारा-भत्ता की हकदार होगी।

इसलिए हमारा मत है कि अगर पति धारा 125(4) के तहत आवेदन करता है और शुरू में ही सबूतों के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोप साबित कर देता है, तो अंतरिम गुजारा-भत्ता पर रोक लगाई जा सकती है। अदालत ने कहा कि व्यभिचार से जुड़े मामलों में अक्सर परिस्थिति और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की गहन जांच करनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है। ऐसे में अंतिम फैसले तक इंतजार करना कानून की मंशा के विपरीत होगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल आरोप लगाना पर्याप्त नहीं होगा। पति को ऐसे ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश करने होंगे, जो पहली नजर में ही आरोपों की पुष्टि करते हों। बैंच ने अपने फैसले में आगे कहा कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट ने यह मानकर गलती की कि ऐसे सवाल का फैसला सिर्फ अंतिम सुनवाई के चरण में ही किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि इस नजरिए से कानून में दी गई व्यवस्था बेकार हो जाएगी।

करोड़ों का बिजनेस एआई के दम पर अकेले चला रहे लोग, जमकर हो रही कमाई

नई दिल्लीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने कारोबार की दुनिया में बड़ा बदलाव ला दिया है। जहां पहले किसी कंपनी को शुरू करने और चलाने के लिए भारी निवेश, बड़ी टीम और दर्जनों कर्मचारियों की जरूरत होती थी, वहीं अब कई उद्यमी सिर्फ एआई की मदद से अकेले ही करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा कर रहे हैं। ईमेल का जवाब देने से लेकर कोडिंग, कस्टमर सपोर्ट, मार्केटिंग और रिफंड जैसी जिम्मेदारियां अब एआई संभाल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनियाभर में ऐसे सोलो फाउंडर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो बिना किसी कर्मचारी के सफल कंपनियां चला रहे हैं। अक उनके लिए एक वर्चुअल बिजनेस पार्टनर की तरह काम कर रहा है, जिससे बिजनेस शुरू करना पहले के मुकाबले कहीं आसान हो गया है।

कुछ महीनों में लाखों डॉलर का कारोबारः अमेरिका के उद्यमी बेन ब्रोका ने पिछले साल अक आधारित एक स्टार्टअप शुरू किया, जो दूसरे कारोबारियों को अक टूल्स उपलब्ध कराता है। कुछ ही महीनों में उनके 10 हजार से ज्यादा पेड ग्राहक बन गए और कंपनी इस साल करीब 1 करोड़ डॉलर (10 मिलियन डॉलर) की कमाई की ओर बढ़ रही है। खास बात यह है कि उन्होंने अब तक एक भी कर्मचारी नियुक्त नहीं किया है। एआई उनके लिए कोड लिखने, ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करने, ईमेल संभालने और नए ग्राहकों को जोड़ने जैसे कई काम कर रहा है। उनका मानना है कि अकेले फैसले लेने से काम तेज और प्रभावी होता है।

तेजी से बढ़ रहे सोलो फाउंडर्स : पेमेंट कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, उसके प्लेटफॉर्म पर हजारों ऐसे सोलो बिजनेस ऑपरेटर्स मौजूद हैं, जिनकी सालाना कमाई 10 लाख डॉलर से अधिक है। 2023 से 2025 के बीच ऐसे कारोबारियों की संख्या दोगुनी हो गई, जबकि 1 करोड़ डॉलर से ज्यादा का कारोबार करने वाले सोलो फाउंडर्स की संख्या लगभग तीन गुना बढ़ी है। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई की वजह से अब बिना बड़े नेटवर्क या अनुभव वाले लोग भी अपने आइडिया को सफल बिजनेस में बदल पा रहे हैं।

टेक सेक्टर में सबसे ज्यादा असरः अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण के अनुसार, पिछले एक साल में सबसे ज्यादा नए बिजनेस आवेदन सूचना एवं टेक्नोलॉजी सेक्टर में दर्ज किए गए। इस क्षेत्र में नए कारोबार शुरू करने के आवेदन करीब 45 फीसदी बढ़े हैं। वहीं, कर्मचारियों की भर्ती की योजना बताने वाले आवेदनों में गिरावट देखी गई है, जो छोटे और अक आधारित बिजनेस मॉडल की ओर इशारा करती है।

एआई से लागत घटती है, लेकिन चुनौतियां भी हैं: हालांकि अक कारोबार को आसान बना रहा है, लेकिन इसकी लागत और तकनीकी सीमाएं भी सामने आ रही हैं। कई उद्यमियों का कहना है कि शुरूआती दौर में महंगे अक मॉडल इस्तेमाल करने से खर्च बढ़ जाता है। बाद में ओपन-सोर्स अक मॉडल अपनाकर लागत कम की जा सकती है। इसके अलावा, एआई के कारण किसी भी नए बिजनेस आइडिया की नकल करना पहले से ज्यादा आसान हो गया है, जिससे प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है।

रोजगार पर पड़ सकता है असरः एआई के बढ़ते उपयोग को लेकर रोजगार बाजार में भी बहस जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई कुछ नौकरियों की जरूरत कम कर सकता है।

होर्मुज पर लागू रहेंगे प्रतिबंध, ट्रंप के दावे को ईरान ने बताया झूठ, कहा, कोई समझौता नहीं हुआ

एजेंसी/ तेहरान/वाशिंगटनः ईरान की बातचीत करने वाली टीम के एक सूत्र ने कहा है कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने की अनुमति नहीं देगा। साथ ही, उन खबरों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है, जिनमें कहा गया है कि तेहरान ने इस जलमार्ग को फिर से चालू करने के लिए कतरी मध्यस्थों के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू करने पर कोई समझौता नहीं हुआ है और इस बारे में फैली खबरें झूठी हैं। सूत्र ने जोर देकर कहा कि जब तक अमेरिका अपनी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई जारी रखता है, तब तक यह जलमार्ग बंद रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की बात गलत है। दुश्मन से जुड़े कुछ मीडिया संस्थानों ने दावा किया था कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की योजना पर सहमत हो गया है; हालांकि, जानकार सूत्रों ने इस दावे का खंडन किया है और इस बात पर जोर दिया है कि इस रणनीतिक जलमार्ग के संबंध में ईरान की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं ईरान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री माजिद इब्न अल-रेजा ने कहा है कि देश अपने विरोधियों की हर धमकी को वास्तविक और गंभीर मानकर चलता है, चाहे वह केवल साइकोलॉजिकल दबाव बनाने के लिए ही क्यों न दी गई हो।

ट्रंप बोले, ईरान पर फिलहाल हमला टालाः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रंप ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है।

ट्रंप और सऊदी क्राउन प्रिंस के बीच फोन पर बातचीतः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने फोन पर पश्चिम एशिया के ताजा हालात और उनके क्षेत्रीय व वैश्विक असर पर चर्चा की। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी क्राउन प्रिंस ने कहा कि तनाव कम करने के लिए बातचीत को प्राथमिकता देना जरूरी है। उन्होंने सीजफायर की दिशा में हर संभव प्रयास करने पर जोर दिया, ताकि कूटनीतिक समाधान का रास्ता खुल सके। दोनों नेताओं ने सऊदी अरब और अमरीका के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

रूस-यूक्रेन शांति वार्ता का समर्थन : अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिका रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए नए मौकों पर विचार करेगा और उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत फिर से शुरू करने के लिए नए सिरे से कूटनीतिक कोशिशें होंगी। श्री रुबियो ने कहा कि मुझे पता है कि आप अगले कुछ हफ्तों में कुछ कोशिशें देखेंगे, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या हम दोनों पक्षों के बीच बातचीत फिर से शुरू कर सकते हैं और इस युद्ध को खत्म कर सकते हैं। रूस और यूक्रेन दोनों ही अपनी दृढ़ शर्तों पर कायम हैं, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पप्पू यादव पर चप्पल से हमला सांसद ने लगाया हत्या की साजिश का आरोप

नई दिल्लीः पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब एक युवक ने कथित तौर पर उन पर चप्पल फेंककर हमला कर दिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद समर्थकों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना के दौरान कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पप्पू यादव अपने हालिया संसद प्रदर्शन और उस पर उठे विवादों को लेकर मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने उनसे तीखे सवाल पूछने शुरू किए। शुरूआत में मामला केवल बहस तक सीमित रहा, लेकिन कुछ ही देर में विरोधी पक्ष की ओर से नारेबाजी शुरू हो गई। इसके बाद पप्पू यादव के समर्थक भी आक्रोशित हो गए और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी नोकझोंक, फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हंगामा इतना बढ़ गया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थल पर कुर्सियां तक फेंकी जाने लगीं। इसी दौरान एक युवक ने कथित तौर पर पप्पू यादव पर चप्पल फेंक दी।

घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद समर्थकों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपनी हिरासत में ले लिया। घटना के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थल पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। घटना के बाद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि उनके घर में घुसकर उन पर हमला किया गया और यह उनकी हत्या की साजिश का हिस्सा था। उन्होंने दावा किया कि हमलावर ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। मीडिया से बातचीत में पप्पू यादव ने कहा, अब तो रोज बाबा लोग कहते हैं कि पप्पू यादव को मारो, जला डालो, 51 लाख रुपये देंगे। मुझे मारने की साजिश थी,

न्यूज IN ब्रीफ

चतरा पुलिस मुख्यालय की जमीन पर दुखी साव के पक्ष में आया फैसला

चतरा : चतरा न्यायालय द्वारा एक फैसला जो कि लोगों के बीच कोतहूल का विषय बना हुआ है जो पुलिस मुख्यालय जिस जमीन पर बना हुआ है उसकी मान्यता रद्द करते हुए वादी दुखी साव के पक्ष में फैसला दिया है । वादी के वकील विद्यानंद सिंह बताते है कि उनके वादी के जमीन पर बिना उनकी अनुमति के चतरा पुलिस मुख्यालय का निर्माण किया गया था तब उनके मुवक्किल दुखी साव के द्वारा वाद चतरा सिविल कोर्ट ने दायर किया गया दुखी साव बनाम झारखंड सरकार 2015 में । लगभग 11 सालों बाद न्यायालय ने सारे मामले की सुनवाई करने के बाद पक्ष व विपक्ष दोनों की बात सुनने के बाद दुखी साव के पक्ष में अपना फैसला सुनाया जिससे वादी पक्ष काफी खुश है और उन्होंने न्यायालय पर अपना भरोसा जताया।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत

साहिबगंज/बरहरवा : हावड़ा रेल मंडल केकोटालपोखर तिलभिट्ठा रेलवे ट्रैक पर रविवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।घटना पोल संख्या 161/30 के समीप हुई,जिससे क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।पाकुड़ आरपीएफ इंस्पेक्टर कुलदीप यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही आरपीएफ टीम को घटनास्थल पर भेजा गया।शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के बगदाबरा निवासी अशोक कुमार के रूप में बताई जा रही है।हालांकि,आरपीएफ और स्थानीय प्रशासन की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।पुलिस मृतक की शिनाख्त सुनिश्चित करने और परिजनों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास कर रही है।पुलिस ने बताया कि पहचान की औपचारिक पुष्टि और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

नाबालिग को बदमाशों ने बाइक से किया किडनैप, गोड्डा से तीन गिरफ्तार

पाकुड़ः जिले के अमरापारा ब्लॉक से मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया और उसे अपने साथ ले गए. घटना की सूचना मिलते ही अमरापारा पुलिस हरकत में आ गई और बदमाशों के खिलाफ घेराबंदी की. पुलिस की घेराबंदी को देखते हुए बदमाश लड़की को छोड़कर भाग खड़े हुए. उसके बाद युवती सकुशल अपने घर वापस आ गई.

नाबालिग के भाई के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू की गई. एसपी अनुदीप सिंह ने तीनो बदमाशों की गिरफ्तारी को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया.

सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर विजय कुमार ने रविवार को इस मामले की पुष्टि की. रउद्धड ने बताया कि नाबालिग के भाई ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 28 जुलाई की रात जमरी गांव से तीन अज्ञात लोगों ने उसकी बहन का अपहरण कर लिया. शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस संदिग्ध जगहों पर छापेमारी कर रही थी. इसी बीच, नाबालिग घर लौट आई और शिकायतकर्ता ने पुलिस स्टेशन को उसके लौटने की जानकारी दी.

एसडीपीओ ने बताया कि एसआईटी के पुलिस अधिकारियों ने गोड्डा जिले में छापेमारी की और राजेश मरांडी, सुरेश हेम्ब्रम और हीरालाल टुडू को हिरासत में लिया. पूछताछ के दौरान, तीनों ने घटना में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली. उनके खिलाफ अमरापाड़ा पुलिस स्टेशन में इठर की धाराओं 140(1) और 3(5) के तहत (केस नंबर 59/26) दर्ज की गई और बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

एसआईटी में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार के अलावा पुलिस निरीक्षक अनूप रोशन भेंगरा, पुलिस अवर निरीक्षक चंदन कुमार सिंह, बुदीलाल मुर्मू, पप्पू कुमार, सुखदेव साहा, सहायक अवर निरीक्षक संतोल मुर्मू और निर्मल कुमार राय दलबल आदि शामिल थे.

पहले सोमवार पर भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक के लिए भक्तों की उमड़ी भीड़

जमशेदपुर : सावन मास के अंतिम सोमवार पर शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमर पड़ी। एक दिन पूर्व से ही श्रद्धालु इसकी तैयारी में जुटे हुए थे शहर के विभिन्न मंदिर कमेटियों की ओर से विशेष तौर पर अंतिम सोमवारी को लेकर तैयारियां की गई थी जलाभिषेक के लिए सुबह 5 बजे से शहर के लगभग सभी मंदिरों के पट खुले, जिसके बाद से मंदिरों और शिवालयों में जलाभिषेक भक्तों द्वारा किया जा रहा है। कई जगह से कलश यात्रा निकाली जहां महिला पुरुष स्वर्णरेखा नदी और दो मोहनी घाट में जल भरने के लिए गाजे बाजे के साथ पहुंचे। नदी किनारे से जल भरकर भक्तों द्वारा भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया, इस दौरान पूरे रास्ते बम बम भोले और हर हर महादेव का उद्घोष होता रहा।

भक्तों ने नंगे पैर कलश लेकर कई किलोमीटर यात्रा तय की और कलश के जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर अपने और अपने परिवार के लिए सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। जलाभिषेक के बाद भक्तों ने बेलपत्र, भांग, धतूरा, मौसमी फल, दूध, दही, शहद, गंगाजल और अक्षत, पुष्प, धूप दीप से भगवान भोलेनाथ की आराधना की।

17 और 18 को चैम्बर भवन में सजेगा मानसून ट्रेड फेयर

जमशेदपुर : महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने तथा हस्तकरघा एवं कुटीर उद्योग से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से 17 एवं 18 अगस्त को चैम्बर भवन बिष्टूपुर में मानसून ट्रेड फेयर-2026 का आयोजन किया जाएगा। आयोजन प्रत्येक वर्ष दो बार किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अपनी प्रतिभा, कौशल एवं उद्यमशीलता का प्रदर्शन करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।इस वर्ष आयोजित होने वाले मानसून ट्रेड फेयर में शहर एवं आसपास की महिला उद्यमी अपने हस्तनिर्मित एवं आकर्षक उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी।

मेले में विभिन्न प्रकार की राखियां, कुर्तियां, साड़ियां, फैशन ज्वेलरी, चादरें, हस्तनिर्मित मोमबत्तियां, गृह सज्जा की आकर्षक सामग्री, हस्तशिल्प उत्पाद, गिफ्ट आइटम तथा दैनिक उपयोग की अनेक उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अतिरिक्त कई महिला उद्यमी अपने नवाचार एवं रचनात्मक उत्पादों को भी प्रदर्शित करेंगी, जिससे स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्य सचिव अविनाश कुमार उत्कृष्ट कार्य के लिए पहचाने जाते हैं

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 1993 बैच के आईएएस अधिकारी तथा झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार कामयाबी उपलब्धि और अपने बेहतर कार्य के लिए पहचाने जाते हैं। मुख्य सचिव के रूप में झारखंड को भरपूर विकास गति देने में सफल और कामयाब रहे हैं। झारखंड के विकास के लिए निरंतर जुटे रहने वाले मुख्य सचिव इससे पूर्व जिस विभाग में पदस्थापित रहे विभाग को बेहतर पहचान दिलाने में सफल रहे। कोल्हान के लिए भी यह गौरव की बात है कि मुख्य सचिव अविभाजित बिहार के समय पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के उप विकास आयुक्त रह चुके हैं तथा कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त भी रहे हैं।

इसके अलावा मुख्य सचिव श्री कुमार लखीसराय, दुमका, देवघर तथा रांची के लोकप्रिय उपायुक्त भी रह चुके हैं इसके अलावा श्री कुमार कई महत्वपूर्ण विभाग के सचिव और प्रधान सचिव भी रह चुके हैं। ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव रहते इनके द्वारा विभाग के लिए किए गए कार्य काफी उपलब्धि भरे रहे और इसके पश्चात वे झारखंड के मुख्य सचिव बनाए गए। ऐसे आईएएस अधिकारी से राज्य भी गौरवान्वित होता है।

500 से अधिक युवाओं ने लिया नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प

संवाददाता

धनबाद : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत मेरा युवा भारत (एमवाई भारत), धनबाद की ओर से रविवार को आईआईटी आईएसएम के ऑडिटोरियम में नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण कराया गया। कार्यक्रम में आईआईटी के छात्र-छात्राओं, एमवाई भारत के स्वयंसेवकों और विभिन्न युवा क्लबों के सदस्यों सहित 500 से अधिक युवाओं ने भाग लिया तथा नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी बड़ी बाधा बनता है। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार की नहीं, बल्कि परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से वर्ष 2047 तक विकसित और नशा मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने एमवाई भारत पोर्टल के माध्यम से डिजिटल संकल्प लिया और नशा उन्मूलन के लिए जन-जागरूकता फैलाने का वादा किया। उपस्थित युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर एमवाई भारत, धनबाद के उप निदेशक सूर्यकांत कुमार ने आईआईटी आईएसएम के प्राध्यापकों एवं अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से सभी छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज को भी नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इतिहास की उपेक्षा का अंत हो

यदुवंश सहाय को मिले उनका राष्ट्रीय सम्मान

हृदयानंद मिश्र

किसी भी राष्ट्र की आत्मा उसके इतिहास में बसती है। इतिहास केवल अतीत की घटनाओं का संकलन नहीं होता, बल्कि वह उन व्यक्तित्वों का जीवंत स्मारक होता है जिन्होंने अपने विचार, संघर्ष और त्याग से राष्ट्र की दिशा निर्धारित की। यदि ऐसे व्यक्तित्व इतिहास के पन्नों से ओझल हो जाएँ, तो केवल एक व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरा समाज अपनी स्मृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खो देता है। पलामू के महान सपूत यदुवंश सहाय इसी ऐतिहासिक विस्मृति के शिकार हुए राष्ट्रनिमार्ताओं में अग्रणी हैं।

आज जब भारत अपने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर गर्व करता है, तब यह स्मरण रखना भी आवश्यक है कि संविधान किसी एक व्यक्ति की कृति नहीं था। संविधान सभा के प्रत्येक सदस्य ने अपने अनुभव, विचार और जनप्रतिनिधित्व के माध्यम से इस महान दस्तावेज को आकार दिया। यदुवंश सहाय उन्हीं राष्ट्रनिमार्ताओं में थे, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन की तपस्या के बाद संविधान सभा में पहुँचकर भारत के लोकतांत्रिक भविष्य के निर्माण में योगदान दिया। 24 जनवरी 1950 को जब संविधान सभा के सदस्यों ने भारत के मूल संविधान पर हस्ताक्षर किए, तब यदुवंश सहाय के हस्ताक्षर भी उस ऐतिहासिक दस्तावेज पर अंकित हुए। यह केवल एक औपचारिक हस्ताक्षर नहीं था; यह स्वतंत्र भारत के आदर्शों–न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व–के प्रति उनकी सार्वजनिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। यह पलामू की धरती का भी राष्ट्रीय इतिहास में दर्ज सम्मान था। विडंबना यह है कि आज यदुवंश सहाय का नाम न तो पाठ्यपुस्तकों में पर्याप्त स्थान पाता है और न ही सार्वजनिक विमर्श में। उनके योगदान की चर्चा सीमित दायरे में सिमट गई है। यह स्थिति केवल पलामू की नहीं, बल्कि पूरे देश की ऐतिहासिक चेतना के लिए चिंता का विषय है। यदि संविधान-निमार्ताओं की नई पीढ़ी से पहचान ही नहीं होगी, तो संविधान के प्रति सम्मान और उसकी आत्मा की समझ भी अधूरी रह जाएगी।

झारखंड की नई पीढ़ी को यह जानने का अधिकार है कि इस प्रदेश ने केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि संविधान-निमार्ता भी देश को दिए। यदुवंश सहाय का जीवन बताता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सत्ता प्राप्त करने का नहीं, बल्कि समाज को न्यायपूर्ण दिशा देने का सतत प्रयास है। उनका व्यक्तित्व जनसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मयार्दाओं का प्रेरक उदाहरण है।

अब समय आ गया है कि यदुवंश सहाय पर व्यापक शोध हो। उनके भाषण, पत्र, संस्मरण, संसदीय अभिलेख और उपलब्ध दस्तावेजों का वैज्ञानिक ढंग से संकलन और प्रकाशन किया जाए। विश्वविद्यालयों में उन पर शोध प्रबंध लिखे जाएँ, विद्यालयों के पाठ्यक्रम में उनके योगदान को स्थान मिले और पलामू में उनके नाम पर एक शोध एवं स्मृति केंद्र की स्थापना की जाए। यह किसी व्यक्ति का सम्मान भर नहीं होगा, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के प्रति हमारी जिम्मेदारी का निर्वहन भी होगा।

इतिहास उन समाजों को कभी क्षमा नहीं करता जो अपने महान लोगों को भुला देते हैं। यदुवंश सहाय का सम्मान केवल एक स्वतंत्रता सेनानी या संविधान सभा के सदस्य का सम्मान नहीं है; यह उस विचार का सम्मान है जिसने भारत को लोकतंत्र के पथ पर अग्रसर किया।

आज आवश्यकता है कि हम अपने क्षेत्रीय गौरव को राष्ट्रीय चेतना से जोड़ें। पलामू के इस महान पुत्र को वह स्थान दिलाएँ जिसके वे वास्तविक अधिकारी हैं। आने वाली पीढ़ियाँ जब भारत के संविधान और उसके निमार्ताओं का अध्ययन करें, तो यदुवंश सहाय का नाम भी उसी आदर और गर्व के साथ लिया जाए, जिसके वे पूर्णतः पात्र हैं। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही इतिहास के प्रति हमारा न्याय भी।

आज प्रथम महिला रक्तदान शिविर आयोजित

संवाददाता

चाईबासा : प्रयास एक नयी पहल संस्था द्वारा चाईबासा में आज प्रथम महिला रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। संस्था की सचिव सीमा टिर्की ने बताया कि प्रयास एक नई पहल संस्था का यह प्रथम महिला रक्तदान शिविर सदर अस्पताल चाईबासा स्थित ब्लड बैंक में आयोजित किया गया ' इसमें काफी संख्या में महिलाएं सहर्ष रक्तदान करने के लिए आई '

सीमा टिर्की ने कहा कि प्रयास एक नयी पहल झारखंड सरकार द्वारा पंजीकृत एवं स्वयं पोषित संस्था है जो अपने संसाधनों से महिलाओं के उत्थान के लिए कई तरह के सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम समय समय पर आयोजित करती रहती है '

आज की प्रथम रक्त दाता अरुणिमा गोपाली को पुष्प गुच्छ एवं प्रशस्ति पत्र देकर सीमा टिर्की, संध्या सुरीन, दिव्या शर्मा, जोबा मल्लिक, मीनाक्षी विश्वकर्मा सहित अन्य सदस्यों ने सम्मानित किया।

द्वितीय रक्त दाता आशा बानरा को डाडू अर्पित सुमन तथा सीमा टिर्की, संध्या सुरीन, बीना पाल तथा गुरमुख सिंह खोखर ने पुष्प गुच्छ तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस रक्तदान शिविर में आई महिला कालेज चाईबासा की डाडू अर्पित सुमन ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे जिले में लड़कियों में खुन की कमी पाई जाती है। सो सबसे पहले हमें इस दिशा में काम करना चाहिए । उन्होंने इस समस्या के त्वरित समाधान हेतू समन्वित, प्रभावी सामुदायिक आधारित हस्ताक्षेपों की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रयास एक नई पहल के अध्यक्ष गुरमुख सिंह खोखर ने कही कि सिर्फ महिला रक्त दाताओं के लिए रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय हमारी संस्था का एक छोटा एवं पहला प्रयास था। ब्लड बैंक कर्मियों ने शिविर में रक्तदान हेतू आई युवतियों एवं महिलाओं का वजन, होमोग्लोबिन, शुगर तथा ब्लड प्रेशर की सूक्ष्मता से जांच की। जांच पूरी करने के उपरांत ही रक्तदान कराकर रक्त संग्रह किया गया।

लेकिन अफसोस जनक बात यह रही कि ज्यादातर महिलाओं का होमोग्लोबिन काफी कम, ब्लड प्रेशर काफी कम या ज्यादा पाया गया ' फलस्वरुप सिर्फ दो ही यूनिट रक्त संग्रह हो पाया ' फिर भी हम निराश नहीं हैं ' प्रयास एक नयी पहल का प्रयास जारी रहेगा '

संस्था की सदस्य मीनाक्षी विश्वकर्मा ने इस पुनीत कार्य के लिए आई सभी महिलाओ का स्वागत किया'

संस्था की कोषाध्यक्ष संध्या सुरिन ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिये बनाने के लिये सभी ब्लड बैंक कर्मियों एवं सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

किरण ब्रह्मर्षि विकास मंच महिला प्रकोष्ठ की नई अध्यक्ष

जमशेदपुर : बागबेड़ा कॉलोनी स्थित श्री कृष्ण मेमोरियल संघ में रविवार को ब्रह्मर्षि विकास मंच बागबेड़ा इकाई के महिला प्रकोष्ठ का चुनाव जिला पदाधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। चुनाव में सर्वसम्मति से किरण सिंह को अध्यक्ष, श्वेता तिवारी को महासचिव, माधुरी देवी को कोषाध्यक्ष तथा सुनीता पांडेय उपाध्यक्ष चुनी गई। चुनाव प्रक्रिया का संचालन पर्यवेक्षक हरीश राय एवं अशोक मिश्रा ने किया। केंद्रीय समिति के सतीश कुमार, सुमंत कुमार, बागबेड़ा इकाई के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष शशि कुमार, महासचिव संतोष ठाकुर समेत अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

महादेव साल में पहली सोमवारी को श्रद्धालुओं ने किया पूजा अर्चना

संवाददाता

महादेव साल में पहली सोमवारी को भक्त जनों और श्रद्धालुओं ने किया पूजा अर्चना जया आस्था मिनी बैजनाथ धाम के नाम से सु विख्यात महादेव साल में पहली सोमवारी के दिन उमड़ी भक्तों के भीड़ और भगवान भोले शंकर की पूजा अर्चना की पश्चिम सिंहभूम के चक्रधरपुर अनुमंडल अंतर्गत गोइलकेरा प्रखंड के महादेव साल में सावन माह के पहले सोमवार भोलेनाथ के पूजा अर्चना हेतु उमड़ी जनसैलाब मिनी बैजनाथ धाम के नाम से शुभ विख्यात महादेव साल में प्रतिवर्ष सावन माह में एक माह तक चलने वाले इस मेला एवं पूजा अर्चना के

लिए बंगाल उड़ीसा झारखंड से श्रद्धालुओं की भीड़ में उमड़ती है महादेव साल में एकमाह तक चलने वाले इस सावन मेला का विधिवत उद्घाटन सिंहभूम सांसद की सांसद श्रीमती जोबा मांझी एवं मनोहरपुर के विधायक जगत माझी के द्वारा किया गया इस अवसर पर काफी संख्या में भक्तजन और श्रद्धालु की भीड़ उपस्थिति रही वही प्रशासनिक व्यवस्था भी काफी व्यवस्थित दिखाई पड़ी पहली सोमवार को भक्तजन श्रद्धालु और शिव भक्तों ने बाबा भोलेनाथ की पूजा अर्चना किया तथा भगवान भोलेनाथ के दर्शन भी किया इस प्रकार से सावन माह के पहला सोमवारी को महादेव शाल में हजारों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर पूजा अर्चना की और सावन माह के पहले सोमवारी के दिन भगवान भोलेनाथ के दर्शन भी किये।

झारखंड स्टेट कराटे चैंपियनशिप का समापन, पलामू बना ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू कराटे एसोसिएशन द्वारा जिला स्कूल, मेदिनीनगर में आयोजित दो दिवसीय झारखंड स्टेट कराटे चैंपियनशिप का सफल एवं भव्य समापन नगर आयुक्त श्री रंजीत लाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

चैंपियनशिप का उद्घाटन सदर एसडीएम, मेदिनीनगर श्री संजय पांडे (खअर) एवं डीईओ श्री संदीप कुमार ने एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कांत ओझा, संरक्षक विभाकर नारायण पांडे एवं मवनीत कुमार, उपाध्यक्ष विकास सिंह, सचिव सुमित वर्मन, लातेहार जिला सचिव मदन लाल, लोहरदगा जिला सचिव अमित सिंह, गढ़वा के मनोज सेंसई तथा चाईबासा के मोहन कुमार के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया था। समापन समारोह के मुख्य अतिथि नगर आयुक्त श्री रंजीत लाल ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि पलामू में राज्य स्तरीय कराटे

चैंपियनशिप का सफल आयोजन जिले के लिए गर्व की बात है तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर होने चाहिए, जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर मिल सके।

पलामू कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कांत ओझा ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, कोचों, रेफरियों एवं सहयोगकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

एसोसिएशन के सचिव सुमित वर्मन ने बताया कि प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों के लगभग 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य राज्य के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय मंच उपलब्ध कराना तथा नई प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाना है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पलामू जिला ने ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। लोहरदगा द्वितीय तथा लातेहार तृतीय स्थान पर रहा। विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पलामू कराटे एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विकास सिंह एवं रोहित पांडेय, संरक्षक मवनीत कुमार, विधिक सलाहकार कमलेश कुमार दुबे, सिद्धार्थ, मृत्युंजय कुमार, अनुभव पांडे, राहुल कुमार, सम्यक स्मृतिक, काजल कुमारी, समीर कुमार सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, कोच, रेफरी, अभिभावक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।